CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 325 ता. 07 जून 2021, सोमवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

इस बार कैसे होगी हज यात्रा? सरकार ने बताया किसके फैसले से पूरी होगी तमन्ना

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के बीच हज यात्रा को लेकर केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को कहा कि इसपर अभी तक केंद्र सरकार की ओर से कोई फैसला नहीं लिया गया है। नकवी ने 2021 की हज यात्रा को लेकर जारी असमंजस के बीच कहा कि इसके लिए सऊदी अरब जो फैसला करेगा भारत उस फैसले के साथ खड़ा रहेगा। नकवी ने कहा कि, हालांकि हमने अपनी पूरी तैयारियां कर ली हैं। हमने हज यात्रा के लिए लोगों से आवेदन भी ले लिए हैं। बता दें कि कोरोना महामारी के चलते पिछले साल हज यात्रा नहीं हो पाई थी।

मक्का में हज के लिए हर साल 20 लाख से अधिक लोग पहुंचते हैं, जिनमें कई विदेश से आते हैं। कोरोना वायरस के फैलने से पहले साल 2019 में लगभग 2 लाख भारतीय मुसलमानों ने हज किया था।

इधर, इंडोनेशिया ने गुरुवार को एलान किया कि उनके देश के लोग इस साल भी कोरोना संक्रमण के चलते हज यात्रा में शामिल नहीं होंगे। बता दें कि इंडोनेशिया वो देश है, जहां से हर साल सबसे ज्यादा लोग हज करने के लिए सऊदी अरब जाया करते हैं। हालांकि कोरोना के चलते सरकार ने इस बार भी इस पर रोक लगा दी है।

सऊद अरब ने अभी तक हज यात्रा को लेकर कोई कोई गाइडलाइंस जारी नहीं की है। इसके अलावा सऊदी अरब ने देशों के कोटा का एलान भी नहीं किया है। साल 2019 में इंडोनेशिया के लिए सऊदी अरब ने 231,000 लोगों का कोटा तय किया था।

नो मलयालम! दिल्ली में सरकारी अस्पताल के आदेश पर भड़के राहुल गांधी

बवाल के बाद सर्कुलर वापस

नई दिल्ली। राजधानी के एक सरकारी अस्पताल ने नर्सिंग स्टाफ के मलयालम में बात करने पर रोक लगा दी है। गोविंद बल्लभ पंत इंस्टिट्यूट ऑफ पोस्ट्ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च ने शनिवार को सर्कुलर जारी किया। इस कदम के लिए अस्पताल प्रशासन की कड़ी आलोचना हो रही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी ट्वीट कयिा। बाद में अस्पताल प्रशासन ने सर्कुलर वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि बिना उनकी जानकारी से यह सर्कुलर जारी कर दिया गया था।

राहुल ने रविवार सुबह एक ट्वीट में कहा, मलयालम भी उतनी ही भारतीय है, जितनी कोई दूसरी भारतीय भाषा। भाषाई भेदभाव रोकिए! बीजेपी आईटी सेल के मुखिया अमित मालवीय

ने इसके लिए दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार को जिम्मेदार ठहरा दिया।

अस्पताल में आदेश में क्या कहा

सर्कुलर में अस्पताल ने कहा, 'संवाद के लिए केवल हिंदी और अंग्रेजी का उपयोग करें या 'कड़ी कार्रवाई' का सामना करने के लिए तैयार रहें।' अस्पताल प्रशासन ने वजह बताई है कि 'अधिकतर मरीज और सहकर्मी इस भाषा को नहीं जानते हैं।'

जीबी पंत नर्सेज एसोसिएशन अध्यक्ष लीलाधर रामचंदानी ने दावा किया कि यह एक मरीज द्वारा स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी को अस्पताल में मलयालम भाषा के इस्तेमाल के संबंध में भेजी गई शिकायत के अनुसरण में जारी किया गया है। उन्होंने हालांकि कहा कि ''एसोसिएशन परिपत्र में इस्तेमाल किए गए शब्दों से असहमत है।''

वापस लिया गया सर्कुलर

अस्पताल प्रशासन ने बाद में यह सर्कुलर वापस ले लिया। न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में प्रशासन ने कहा कि सर्कुलर बिना उनकी जानकारी के जारी कर दिया गया था।

- दिल्ली के गोविंद बल्लभ पंत अस्पताल ने जारी किया सर्कुलर
- नर्सिंग स्टाफ से कहा- मलयालम में न किया करें बात
- कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई लोगों ने की आलोचना
- केजरीवाल सरकार पर बरसे बीजेपी के अमित मालवीय

अगर पिज्जा की होम डिलीवरी हो सकती है तो राशन क्यों नहीं?-अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि दिल्ली में इस हफ्ते से घर-घर राशन पहुंचाने की योजना शुरू होने वाली थी, इसको लेकर सारी तैयारियां हो चुकी थीं मगर केंद्र सरकार द्वारा 2 दिन पहले इसे रोक दिया गया। केंद्र का दावा है कि हमने मंजूरी नहीं ली। हमने एक बार नहीं, बल्कि पांच बार मंजूरी ली है। कानूनी तौर पर हमें केंद्र की मंजूरी की जरूरत नहीं है, लेकिन हमने शिष्टाचार के चलते ऐसा किया। राशन की होम डिलीवरी क्यों नहीं होनी चाहिए? आप राशन माफिया के साथ खड़े होंगे तो गरीबों के साथ कौन खड़ा होगा? उन 70 लाख गरीबों का क्या होगा जिनका राशन ये राशन माफिया चोरी कर लेते हैं। केजरीवाल ने कहा कि राशन माफिया बहुत ताकतवर हैं। बीते 75 साल से इस देश की जनता राशन माफिया का शिकार होती आई है। उसके बाद भी राशन चोरी हो जाता है। 17 साल पहले मैंने इस राशन माफिया के खिलाफ आवाज उठाई थी, हम पर 7 बार खतरनाक हमले हुए, तब मैंने कसम खाई थी कि कभी ना कभी इस सिस्टम को ठीक जरूर करूंगा। इसलिए हम घर-घर राशन पहुंचाने की योजना लेकर आए। मगर इनके डर से सरकार इसे रोक रही है। उन्होंने कहा कि अगर पिज्जा की होम डिलीवरी हो सकती है तो राशन का क्यों नहीं? केजरीवाल ने कहा कि मुसीबत के समय भी केंद्र सरकार सबसे लड़ रही है। पश्चिम बंगाल में ममता दीदी से लड़ रही है। झारखंड सरकार से लड़ रही है। महाराष्ट्र सरकार से भी लड़ रही है, लेकिन यह समय लड़ने का नहीं मिलकर काम करने का है। केजरीवाल ने कहा कि मैं इस योजना का सारा क्रेडिट केंद्र सरकार को देने के लिए तैयार हूं, मगर योजना को ना रोका जाए।

मैंने जनहित के कामों में हमेशा सरकार का साथ दिया है, इसलिए मेरी प्रधानमंत्री जी से अपील है कि दिल्ली में गरीबों के लिए शुरू होने वाली घर-घर राशन योजना को कृपया मत रोकिए।

केंद्र ने दिल्ली सरकार के आरोपों को आधारहीन बताया-दिल्ली सरकार ने शनिवार को दावा किया था कि केंद्र ने राजधानी में 72 लाख राशन कार्ड धारकों को लाभान्वित करने वाली उसकी महत्वाकांक्षी घर-घर राशन योजना को रोक दिया और उसने इस कदम को राजनीति से प्रेरित बताया।

अभिनेता दिलीप कुमार मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में भर्ती

सांस लेने में हो रही थी दिक्कत

मुंबई। दिग्गज अभिनेता दिलीप कुमार को मुंबई के हिंदुजा अस्पताल में आज सुबह भर्ती किया गया है। अभिनेता को पिछले कुछ दिनों से सांस लेने में दिक्कत हो रही थी और उसके बाद उन्हें आज भर्ती कराया गया। दिलीप साहब के ट्विटर हैंडल से ट्वीट करते हुए जानकारी दी गई है कि उन्हें रूटीन चेकअप के लिए भर्ती कराया गया है। उन्हें सांस लेने में भी परेशानी हो रही थी। डॉक्टर नितिन गोखले की देख-रेख में उनकी जांच चल रही है। बता दें, पिछले महीने भी दिलीप कुमार को इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, तब उन्हें रूटीन चेकअप के लिए भर्ती किया गया था। हालांकि, टेस्ट होने के बाद उन्हें जल्द ही अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया था।

दिलीप कुमार, सायरा बानो

सायरा बानो दिलीप कुमार का खास ख्याल रखती हैं। इसके साथ ही दिलीप कुमार के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से उनकी पत्नी ट्वीट कर उनके स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी देती रहती हैं। कुछ दिनों पहले दिलीप कुमार ने कोरोना महामारी को देखते हुए सभी से अपना ख्याल रखने की अपील की थी। ट्वीट में लिखा था, 'सभी लोग सुरक्षित रहिए।'

दिलीप कुमार का जन्म 11 दिसंबर 1922 को पाकिस्तान में हुआ था और उनका पहला नाम यूसुफ खान था। बाद में उन्हें पर्दे पर दिलीप कुमार के नाम से शोहरत मिली। एक्टर ने अपना नाम एक प्रेड्यूसर के कहने पर बदला था, जिसके बाद उन्हें स्क्रीन पर दिलीप कुमार के नाम से लोग जानने लगे। दिलीप कुमार ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी है और दर्शकों का मनोरंजन किया है।

चक्रवाती तूफानों ने कैसे बढ़ाया इंश्योरेंस कंपनियों का खर्चा

नई दिल्ली। देश में एक के बाद एक आए दो तूफानों से कई राज्यों में इंश्योरेंस कंपनियों का खर्चा बढ़ गया है। शुरुआती आकलन के मुताबिक, ताउते और यास तूफान की वजह से कंपनियों पर इस साल करीब एक हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त क्लेम सेटेलमेंट करना पड़ेगा। सूत्रों के मुताबिक, साल दर साल आने वाले इन तूफानों की वजह से अब कंपनियां आने वाले साल में इंश्योरेंस के नियम और सख्त कर सकती हैं। इंश्योरेंस कंपनियों से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, कंपनियां आने वाले सालों में दुकानों और घरों का बीमा करने से पहले न सिर्फ उनकी मजबूती का पूरा मुआयना करेंगी बल्कि बढ़ते खर्च को काबू में करने की कोशिश भी करेगी। साथ ही ऐसी जगहों पर इंश्योरेंस देते समय इंफ्रास्ट्रक्चर और मजबूत करने को कहा जाएगा। इसके अलावा इंश्योरेंस कंपनियां इन बातों पर भी ध्यान देंगी कि जिन इलाकों में बार-बार तूफान आ रहा है वहां इसके बचाव और होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हों।

कोरोना महामारी के बाद कंपनियों पर क्लेम का बोझ लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में कंपनियों ने सामूहिक बीमा और कॉरपोरेट इंश्योरेंस में भी बीमा की दरों में 5 फीसदी का इजाफा किया है।

प्रभावित जिलों में नोडल अधिकारी नियुक्ति करने के आदेश

तूफानों के बाद के इश्योरेंस क्लेम निपटारे को तेज और आसान बनाने के लिए भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीएआई ने भी सभी कंपनियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। आईआरडीएआई ने कंपनियों से कहा है कि प्रभावित जिलों में तुरंत नोडल अधिकारी की नियुक्ति हो ताकि क्लेम की रफ्तार में रुकावट न आ सके। कंपनियों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से जुड़े दावों के भी तेज निपटारे के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही यह भी कहा गया है कि इन प्रक्रियाओं को तेज बनाने के साथ-साथ आसान भी बनाया जाए। क्लेम की बढ़ती रफ्तार को देखते हुए कंपनियों से ज्यादा सर्वेयर नियुक्त करने को कहा गया है। कोरोना महामारी के दौर में ज्यादा से ज्यादा कागजी कामकाज को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से करने की भी हिदायत दी गई है।

टीकाकरण नीति के बचाव में आई केंद्र सरकार, कहा- सरकारी तंत्र पर बोझ कम हुआ, असामनता की खबरें निराधार

नई दिल्ली। टीकाकरण नीति को लेकर विपक्ष से और सुप्रीम कोर्ट की ओर से सवाल उठाए जाने के बाद अब केंद्र सरकार ने इसका बचाव किया है। केंद्र सरकार ने टीकाकरण में असमानताओं की खबरों को बेबुनियाद बताया है। केंद्र ने अपनी उदार टीकाकरण नीति के तहत टीके के निजी और सरकारी क्षेत्र में वितरण को भी सही ठहराया है और कहा है कि एक मई से लागू हुई वैक्सीन पॉलिसी राज्य सरकारों की ओर से चलाए जा रहे टीकाकरण केंद्रों पर बोझ को कम करती है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर हर्षवर्धन ने ट्वीट कर टीकों के बंटवारे में असमानता की खबरों निराधार बताया। उन्होंने यह भी कहा कि मई माह में निजी अस्पतालों को टीके की 1.2 करोड़ खुराकें पारदर्शी तरीके से दी गईं। इससे दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की क्षमता बढ़ाने में मदद हुई। उन्होंने इसके साथ ही सरकार का एक बयान भी जारी किया। बता दें कि केंद्र सरकार ने टीकाकरण नीति के तहत निजी क्षेत्र के लिए 25 प्रतिशत टीकों के वितरण को अलग कर दिया है।

इस बयान के मुताबिक, निजी क्षेत्रों के लिए 25न टीके अलग करने से लोगों तक वैक्सीन की बेहतर पहुंच होती है और सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर परिचालन का बोझ भी घटता है। यह योजना उन लोगों के लिए है जो टीके की कीमत चुका सकते हैं और जो निजी अस्पताल जाकर टीका लगवाना पसंद करते हैं।

बता दें कि 1 मई से केंद्र सरकार ने देश में 18 से 44 साल के आयुवर्ग के लोगों को भी टीकाकरण की मंजूरी दे दी थी। हालांकि, कई राज्यों ने वैक्सीन की किल्लत का दावा करते हुए इस आयुवर्ग के लिए खोले टीकाकरण केंद्रों को बंद कर दिया।

इन सबके बीच यह भी कहा जा रहा है कि निजी क्षेत्र के लिए आवंटित टीके कुछ बड़े अस्पताल ही खरीद पा रहे हैं। हालांकि, सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, छोटे शहरों के अस्पताल भी कोवैक्सीन और कोविशील्ड खरीद रहे हैं। बता दें कि कई राज्यों ने विदेशी टीका उत्पादकों से सीधे वैक्सीन खरीदने के लिए भी समझौता करना चाहा लेकिन विदेशी कंपनियों ने इससे इनकार कर दिया है।

अलीगढ़ में जहरीली शराब से अब तक 108 की मौत, मुख्य आरोपी भाजपा नेता ऋषि शर्मा गिरफ्तार

अलीगढ़। अलीगढ़ में शराब का कहर जारी है। जिले में 108 लोगों की जान जहरीली शराब से जा चुकी है। पुलिस शराब कांड के मुख्य आरोप ऋषि शर्मा को रविवार सुबह बुलंदशहर बॉर्डर से गिरफ्तार कर लिया है। उस पर एक लाख रुपये का इनाम था। इससे पहले शनिवार को एक अन्य आरोपी 25 हजार के इनामी को गिरफ्तार कर लिया था। वहीं भाजपा नेता ऋषि शर्मा के अवैध रूप से बने फार्म हाउस को जेसीबी चलवाकर ध्वस्त करा दिया गया था। जहरीली शराब से लोगों की मौत होने का सिलसिला नहीं थम पा रहा है। शिकंजा कसे

जाने के बाद कार्यवाही के डर से माफियाओं ने जहरीली शराब नहरों में बहा दी है। जिसकी वजह से सबसे पहले जवां नहर में बहकर मिले देशी शराब के पऊए पीने से 10 मजदूरों की मौत हो गई थी। इसी तरह से अकराबाद में शेखा नहर में मिले पऊए पीने से मजदूरों की हालत बिगड़ गई थी। शनिवार को बिहार निवासी पांच मजदूरों की मौत जेएन मेडीकल कॉलेज में उपचार के दौरान हो गई।

शराब कांड के फरार चल रहे आरोपी भाजपा नेता के फार्महाउस पर चली जेसीबी

शराब कांड के फरार चल रहे मुख्य आरोपी भाजपा नेता बीडीसी ऋषि शर्मा के थाना जवां क्षेत्र स्थित फार्म हाउस पर शनिवार को प्रशासन ने जेसीबी चलवा दी। एसडीएम कोल रंजीत सिंह के नेतृत्व में गई टीम ने गांव छेरत में ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की। फार्म हाउस का कुछ भाग सरकारी जमीन घेरकर भी बनाया जाने की बात प्रशासन की जाचं में सामने आ चुकी है।

नहर में तलाशा जा रहा अवैध शराब का जखीरा, दो बंद रहेगी ऊपरी गंगा नहर

जवां व अकराबाद क्षेत्र में नहर में बहकर आई अवैध शराब के सेवन से कई लोगों की जान जा चुकी हैं। ऐसे में अब सिंचाई विभाग ऊपरी गंगा नहर की सफाई कराने के साथ ही अवैध शराब को खोजकर नष्ट करेगा। डीएम ने सिंचाई विभाग को दो दिन नहर बंद करने निर्देश दिए हैं। विभाग नहर बंद कर नहर सफाई कराएगा।

महाराष्ट्र में जमकर बारिश, 15 जून तक इन राज्यों में दस्तक देगा मानसून

नई दिल्ली। केरल के बाद महाराष्ट्र में भी आज यानी शनिवार को मानसून ने दस्तक दे दी है। शनिवार को पहुंचे दक्षिण पश्चिम मानसून के कारण राज्य के कुछ तटीय इलाकों में बारिश हुई। वहीं मौसम विभाग के अनुसार 15 जून तक दक्षिण पश्चिम मानसून के ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों और बिहार में पहुंचने की संभावना है।

महाराष्ट्र में मानसून ने दी दस्तक

महाराष्ट्र में शनिवार को पहुंचे दक्षिण पश्चिम मानसून के कारण राज्य के कुछ तटीय इलाकों में बारिश हुई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के क्षेत्रीय केंद्र की निदेशक शुभांगी भुते ने कहा कि मानसून उम्मीद के मुताबिक रहा है।

उन्होंने कहा कि दक्षिण पश्चिम मानसून महाराष्ट्र में पहुंच गया है। यह औपचारिक रूप से तटीय रत्नागिरी जिले में हरनाई बंदरगाह में पहुंच गया है। इसके दस्तक देने का वास्तविक क्षेत्र सोलापुर तथा मराठावाड़ा के कुछ हिस्सों तक और उसके बाद तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश तक होता है।

राजस्थान में बारिश

राजस्थान के कई इलाकों में बारिश की संभावना जयपुर, पांच जून (भाषा) नये पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से राज्य के अनेक हिस्सों में बूंदाबांदी व बारिश का क्रम अभी जारी रहने का अनुमान है। राज्य में बीते चौबीस घंटे में कई जगह एक से तीन सेंटीमीटर तक बारिश हुई है।

जयपुर मौसम केंद्र के प्रवक्ता के अनुसार एक और नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हरियाणा व आसपास के क्षेत्र में एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है। इसके प्रभाव से शनिवार व रविवार को बीकानेर, चूरू, नागौर व हनुमानगढ़ जिलों में आंधी के साथ अचानक 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने व बारिश होने की संभावना है।

दिल्ली में न्यूनतम तापमान गिरा

राष्ट्रीय राजधानी में तापमान में गिरावट आने से शनिवार को न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस बारे में बताया। दिल्ली में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 26.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मौसम विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक सुबह साढ़े आठ बजे तक 4.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गयी जबकि सुबह में नमी का स्तर 63 फीसदी था।

राजस्थान के कई इलाकों में बारिश की संभावना जयपुर, पांच जून (भाषा) नये पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से राज्य के अनेक हिस्सों में बूंदाबांदी व बारिश का क्रम अभी जारी रहने का अनुमान है। राज्य में बीते चौबीस घंटे में कई जगह एक से तीन सेंटीमीटर तक बारिश हुई है। जयपुर मौसम केंद्र के प्रवक्ता के अनुसार एक और नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हरियाणा व आसपास के क्षेत्र में एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है।

प्रियंका गांधी ने भी भाषा को लेकर जताई चिंता

सरकार तो ब्लू टिक के लिए लड़ रही, वैक्सीन के लिए बनो आत्मनिर्भरः राहुल गांधी

नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को केंद्र पर तंज कसते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ब्लू टिक के लिए लड़ रही है और कोविड-19 रोधी टीके हासिल करने के लिए लोगों को आत्मनिर्भर हो जाने की जरूरत है। राहुल का यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब एक दिन पहले ही ट्विटर ने उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू और मोहन भागवत समेत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शीर्ष पदाधिकारियों के निजी अकाउंट से ब्लू टिक हटा दिया और बाद में हंगामा होने पर इसे बहाल कर दिया। राहुल गांधी ने ट्वीट कर कहा कि ब्लू टिक के लिए मोदी सरकार लड़ रही है...कोविड टीका चाहिए तो आत्मनिर्भर बनो। एक अन्य ट्वीट में राहुल ने भाषाई आधार पर भेदभाव रोकने को कहा है। दिल्ली सरकार के एक अस्पताल ने नर्सों से ड्यूटी के दौरान मलयालम में बात नहीं करने को कहा। बाद में इस आदेश को वापस ले लिया गया। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि मलयालम भी भारतीय भाषा है। भाषा के आधार पर भेदभाव करना बंद करें।

- प्रियंका गांधी ने भी भाषा को लेकर जताई चिंता

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी इस मामले पर चिंता प्रकट की और गोविंद वल्लभ पंत स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान के आदेश को पोस्ट किया, जिसमें चेताया गया कि केवल हिंदी और अंग्रेजी में बात करें, वरना कार्रवाई की जाएगी। प्रियंका गांधी ने मलयालम में ट्वीट करते हुए लिखा कि यह आदेश हमारे देश के बुनियादी मूल्यों का उल्लंघन है। यह नस्लवादी, पक्षपातपूर्ण और पूरी तरह गलत है। साथ ही कहा कि मलयाली नर्सें कोविड-महामारी के समय अपनी जान को खतरे में डालकर लोगों की जान बचाने का काम कर रही हैं। प्रियंका ने कहा कि यह आदेश अपमान है। हमें उनका आभारी होना चाहिए और सम्मान दिखाना चाहिए। जितनी जल्दी हो इसे (आदेश को) वापस लिया जाना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। प्रियंका ने एक अन्य ट्वीट में आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी नेतृत्व वाली सरकार ने सितंबर 2020 और जनवरी 2021 के दौरान ऑक्सीजन बेड की संख्या 36 फीसदी, आईसीयू बेड की संख्या 46 फीसदी और वेंटिलेटर बेड की संख्या 28 फीसदी घटा दी।

दिल्ली सरकार का घर-घर राशन पहुंचाना घोटाला : भाजपा

नई दिल्ली।

भाजपा ने दिल्ली सरकार की घर-घर राशन पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजना को घोटाला करार देते हुए रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अपनी सरकार की विफलता को छिपाने के लिए नाटक को बंद करना चाहिए। एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, अरविंद केजरीवाल ने इस तरह से बात की है कि केंद्र द्वारा दिल्ली के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है, लेकिन यह सच नहीं है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के माध्यम से राष्ट्रीय राजधानी में जरूरतमंदों को राशन उपलब्ध कराया जाता है। पात्रा ने बताया कि पीएमजीकेएवाई के तहत मई और पांच जून तक के तय कोटे से अधिक 72,782 मीट्रिक टन अनाज दिल्ली भेजा गया है। दिल्ली अब तक लगभग 53,000 मीट्रिक टन खाद्यान्न ही उठा पाई है और इसका केवल 68 प्रतिशत ही जनता को वितरित किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि अरविंद केजरीवाल सरकार एनएफएसए अधिनियम के तहत गेहूं पर केवल दो रुपये प्रति किलो और केंद्र सरकार 23.7 रुपये प्रति किलो का भुगतान करती है, जबकि चावल पर केजरीवाल सरकार केवल तीन रुपये प्रति किलो और केंद्र 33.79 रुपये प्रति किलो देता है। पात्रा ने आगे कहा, केजरीवाल एनएफएसए और पीएमजीकेएवाई द्वारा प्रदान किए गए राशन के अलावा अन्य राशन वितरित करना चाहते हैं, वह इसके लिए राशन खरीद सकते हैं। अधिसूचित दरों पर राशन खरीदा जा सकता है। इस पर केंद्र सरकार या किसी को कोई आपत्ति नहीं होगी। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली सरकार की योजना एक घोटाला है, क्योंकि इस योजना के तहत लोगों से गेहूं का आटा लेने के लिए पैसे लिए जाएंगे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि केंद्र द्वारा एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड का प्रावधान शुरू किया गया था, लेकिन दिल्ली सरकार ने हजारों प्रवासी मजदूरों को योजना का लाभ देने से इनकार करते हुए इसे लागू करने से इनकार कर दिया। पात्रा ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल का कामकाज ए (विज्ञापन), बी (दोषारोपण), सी (क्रेडिट), डी (नाटक), ई (बहाना) और एफ (विफलता) पर आधारित है और उनसे नाटक को रोकने की अपील है।

बीएसएफ ने पाकिस्तान को भेजा कड़ा संदेश

बीकानेर।

सीमा सुरक्षा बल बीएसएफ ने शनिवार को पाकिस्तान में अपने समकक्ष को एक कड़ा विरोध नोट भेजा, जिसमें कहा गया है कि वह अपने नागरिकों द्वारा सीमा पार तस्करी की घटनाओं की जांच करे। आपको बता दें कि दो दिन पहले बीएसएफ ने पाकिस्तान से संदिग्ध तस्करों द्वारा घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया था। अधिकारियों ने कहा कि राजस्थान के बीकानेर जिले में अंतर्राष्ट्रीय सीमा (आईबी) और 56 किलोग्राम हेरोइन बरामद की, जिसकी कीमत दो सौ करोड़ रुपये से अधिक है। बीएसएफ राजस्थान फ्रंटियर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया हमने बीकानेर सेक्टर में शनिवार शाम जीरो लाइन पर पाक रेंजर्स के साथ फ्लैग मीटिंग में विरोध नोट दिया है। पाक रेंजर्स की प्रतिक्रिया के बाद आगे की कार्रवाई का फैसला किया जाएगा। उन्होंने कहा, उरी हमले के बाद, समकक्ष के साथ उच्च अधिकारियों का संचार बंद हो गया है। कंपनी कमांडर स्तर की बैठक में विरोध नोट दिया गया था। शनिवार को राजस्थान फ्रंटियर के महानिरीक्षक पंकज गूमर ने बीकानेर से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा का दौरा किया. उन्होंने सैनिक सम्मेलन को भी संबोधित किया। महानिरीक्षक ने तस्करी के प्रयास को विफल करने वाले बल के खुफिया विंग और बटालियन के अधिकारियों की सराहना की। बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात में बीएसएफ को सीमा पर संदिग्ध गतिविधि का आभास हुआ, जिसके बाद संतरी द्वारा चेतावनी की गोलियां चलाई गईं, जिससे तस्कर भाग गए।

यूपी में मिले कोरोना के 1165 नए मामले, 101 की हुई मौत

लखनऊ ।

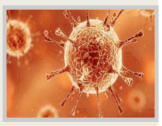

उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस के नए मामलों में गिरावट का क्रम जारी है। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 1165 मामले सामने आए। इस दौरान 101 मरीजों की मौत हो गई जबकि 2446 लोग कोरोना से स्वस्थ हुए हैं। प्रदेश में अब 17,928 कोरोना एक्टिव केस हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा रविवार के मुताबिक यूपी में 1165 लोग कोरोना से संक्रमित हुए। प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान 101 और कोरोना मरीजों की मौत हो गई। कानपुर नगर में 16, शाहजहांपुर में 11, बरेली में 8, गोरखपुर में 6 और लखनऊ में 5 मरीजों ने दम तोड़ा मौत हुई। प्रदेश में अब कुल मृतक मरीजों की संख्या 21,252 पहुंच गई है। बुलेटिन के मुताबिक प्रदेश में पिछले 24 घंटों में 2446 मरीज स्वस्थ होकर अस्पताल से छुट्टी पा चुके हैं और इस तरह प्रदेश में स्वस्थ होने वाले रोगियों की संख्या 16,59,209 हो गई है। प्रदेश में इस समय 17,928 मरीजों का इलाज चल रहा है।

यास से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए गृह मंत्रालय की टीम बंगाल का दौरा करेगी

नई दिल्ली।

केंद्रीय गृह मंत्रालय चक्रवात यास से हुई क्षति का जायजा लेने के लिए पश्चिम बंगाल की तीन दिवसीय यात्रा पर एक टीम भेजेगा। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी है।

केंद्र सरकार के एक सूत्र ने कहा कि संयुक्त निदेशक स्तर के एक अधिकारी सहित टीम नबन्ना में आपदा प्रबंधन और वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करेगी और दक्षिण 24 परगना और पूर्वी मिदनापुर में चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगी। यास के प्रभाव से पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर, झारग्राम और बांकुरा में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई। चक्रवात ने ओडिशा के साथ-साथ झारखंड, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को भी प्रभावित किया था। चक्रवात की चपेट में आने से क्षेत्र में बारिश से निचले इलाकों में पानी भर गया था। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले महीने ओडिशा और पश्चिम बंगाल का भी दौरा किया और चक्रवात यास के प्रभाव की समीक्षा की थी। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने कहा कि उसने इस क्षेत्र में चक्रवात आने के बाद पश्चिम बंगाल राज्य में फंसे सैकड़ों लोगों को बचाया।

दिल्ली में ब्लैक फंगस के 70 फीसदी मरीज मधुमेह से ग्रस्त

नई दिल्ली।

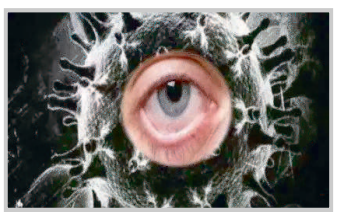

राजधानी दिल्ली के दो बड़े अस्पतालों में ब्लैक फंगस (म्यूकॉर माइकोसिस) का इलाज करा रहे करीब 70 फीसदी मरीज मधुमेह से भी पीड़ित पाए गए हैं। जांच के दौरान यह बात सामने आई है। इससे पता चलता है कि कोरोना संक्रमण के अलावा मधुमेह भी ब्लैक फंगस होने का एक प्रमुख कारण है। डॉक्टरों का कहना है कि ब्लैक फंगस से बचाव के लिए शरीर में शुगर के स्तर को नियंत्रित रखना बहुत जरूरी है। दिल्ली में ब्लैक फंगस के एक हजार ज्यादा मामले आ चुके हैं। इनमें से 89 की मौत हो चुकी है और 92 स्वस्थ हुए हैं। कई बड़े सरकारी और निजी अस्पतालों में मरीजों का इलाज चल रहा है।

सर गंगाराम अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि अस्पताल में 100 से ज्यादा मरीज भर्ती हो चुके हैं। इनमें से 70 फीसदी रोगी मधुमेह से पीड़ित मिले हैं। इनमें कुछ ऐसे हैं जिनका पहले से ही शुगर नियंत्रण में नहीं थी। बाकी के मरीजों में कोरोना के इलाज के दौरान दी गई दवाओं के चलते शुगर का स्तर बढ़ गया था। डॉक्टर ने बताया कि जांच से यह पता चलता है कि कोरोना संक्रमित या इससे स्वस्थ हुए जिन रोगियों के शरीर में शुगर का स्तर नियंत्रण में नहीं रहा, अधिकतर वह ही ब्लैक फंगस ग्रसित हुए हैं। अस्पताल में भर्ती हुए 22 रोगियों की स्थिति काफी बिगड़ गई थी। उनकी जान बचाने केलिए आंख की सर्जरी की गई। जीटीबी अस्पताल के म्यूकॉर वार्ड में तैनात एक डॉक्टर ने बताया कि उनके यहां ब्लैक फंगस के 107 मरीज भर्ती हैं। इनमें करीब 75 रोगी मधुमेह से पीड़ित थे। साथ ही कोरोना के इलाज के दौरान इन मरीजों को स्ट्रॉयड भी दिए गए थे। इस कारण उनके शरीर में शुगर का स्तर बढ़ गया था, जो बाद में नियंत्रित नहीं हो सका था। इसी कारण वह फंगस की चपेट में आ गए थे।

यूपी में गरमाया सियासी माहौल, भाजपा के प्रदेश प्रभारी के दौरे से चर्चाओं का बाजार गर्म

लखनऊ।

देश के सबसे बड़े सूबे उप्र में इन दिनों सियासी माहौल खासा गरमाया हुआ है। राजनीतिक गलियारों में हो रही हलचलों के बाद जहां तरह-तरह की चर्चायें हो रही हैं वहीं कई अपवाहें भी हवा में तैर रही हैं। इस बीच भाजपा के उप्र प्रभारी राधा मोहन सिंह ने राज्यपाल आनन्दी बेन पटेल से मुलाकात की। हालांकि भाजपा प्रभारी ने अपनी ओर से संगठन और सरकार के नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं को विराम देने के लिए कहा कि संगठन और सरकार अच्छी तरह चल रहे हैं। यूपी सरकार और संगठन सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं।

सियासी तापमान में वृद्धि के बीच भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह शनिवार को लखनऊ पहुंचे। रविवार को उन्होंने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की। उसके बाद वह विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित से भी मिलने पहुंचे हैं। हालांकि राधा मोहन सिंह ने इस भेंट को शिष्टाचार मुलाकात बताया है। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए राधा मोहन सिंह ने कैबिनेट में बदलाव या विस्तार की अटकलों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कुछ लोग अपने दिमाग में खयालों की खेती करें तो क्या किया जा सकता है। संगठन और सरकार अच्छी तरह चल रहे हैं। यूपी सरकार और संगठन सबसे ज्यादा लोकप्रिय हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रीमंडल में जो पद खाली हैं, वे भरे जाएंगे। इन सभी पदों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उचित समय पर निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव में हमारी अच्छी जीत हुई है। अब जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव की तैयारी है। राज्यपाल से मुलाकात पर अपनी सफाई में भाजपा उपाध्यक्ष राधा मोहन सिंह ने कहा कि मुझे उत्तर प्रदेश आए छह माह से ज्यादा वक्त हो गया है। इस दौरान मैं किसी वरिष्ठ नेता से नहीं मिल सका था। राज्यपाल मेरी पुरानी परिचित हैं और आज तक मिल नहीं पाया था। आज उसी औपचारिकता के तहत मिलने गया। इसके बाद वह विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित से उनके आवास पर मुलाकात की।

विदित हो कि बीते सप्ताह भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष ने तीन दिन का लखनऊ दौरा किया था। इस दौरान वह संगठन और सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों के साथ अलग-अलग मिले थे। इस दौरान मुख्यमंत्री के अलावा दोनों उप मुख्यमंत्रियों डॉ. दिनेश शर्मा और केशव प्रसाद मौर्य से चर्चा की थी।

पूर्वी लद्दाख की चोटियों पर कंपकंपाती ठंड

इंडियन आर्मी से टक्कर लेने चली चीनी सेना का ठंड से हुआ बुरा हाल

नई दिल्ली।

पूर्वी लद्दाख की चोटियों पर कंपकंपाती ठंड में भारतीय सैनिकों से टक्कर लेने आए चीनी सैनिक पस्त होते नजर आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि पूर्वी लद्दाख सेक्टर के सामने एलएसी के करीब तैनात चीनी सैनिक इलाके में अत्यधिक ठंड की स्थिति से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं क्योंकि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने अपनी 90 प्रतिशत सेना को वापस भेजकर रोटेट किया है और उनकी जगह पर अंदरूनी इलाकों से नए सैनिकों को तैनात किया है। पिछले साल अप्रैल-मई के बाद से चीन ने पूर्वी लद्दाख में भारतीय क्षेत्र के करीब सीमा पर 50,000 से अधिक सैनिकों को तैनात किया है और पैंगोंग झील क्षेत्र में आगे के स्थानों से सीमित सैनिकों की वापसी के बावजूद उन्हें वहां तैनात कर रखा है। चीन ने पिछले एक साल से वहां तैनात सैनिकों को बदला है और उनकी जगह पर भीतरी इलाकों से नए सैनिकों को लाया है। इलाके में पड़ती भयंकर ठंड की वजह से उनके करीब 90 प्रतिशत सैनिकों को रोटेट किया गया है। यानी पहले से तैनात सैनिकों को वापस भेजा गया है और उनकी जगह पर नए सैनिकों की तैनाती की गई है। शुरुआती चीनी आक्रमण के बाद भारतीय पक्ष ने भी जोरदार जवाबी कार्रवाई की और भारतीय जमीन पर कब्जाने की चीन की नापाक कोशिशों को विफल कर दिया। भारत ने झील के दक्षिणी किनारे वाले इलाके में सामरिक ऊंचाइयों पर कब्जा करके चीनी सेना को आश्चर्यचकित कर दिया, जहां से वह चीनी सैनिकों पर हावी हो सकते हैं। हालांकि, दोनों देशों में तनाव बढ़ जाने के बाद इस साल की शुरुआत में भारत और चीन ने पैंगोंग झील क्षेत्र में अपने-अपने पोजिशन को खाली करने और वहां गश्त बंद करने पर सहमत हुए। हालांकि, इन स्थानों से वापस बुलाए गए सैनिक दोनों तरफ से करीब बने हुए हैं और दोनों तरफ से आगे की तैनाती अभी भी जारी है। बता दें कि पूर्वी लद्दाख में ठीक एक साल पहले उपजे सीमा विवाद को हल करने के लिए भारत और चीन की सेना ने वार्ता शुरू की लेकिन दोनों ही ओर से अभी तक विवाद वाले इलाकों के हल के लिए कोई ठोस समझौता नहीं हो सका है। दोनों देशों की सेनाओं के बीच अब तक 11 दौर की वार्ताएं हुई हैं। हालांकि, इसका एकमात्र सबसे बड़ा हासिल इस साल फरवरी मध्य में पैंगोंग त्सो झील के पास से सैनिकों की वापसी रहा है।

संक्षिप्त समाचार

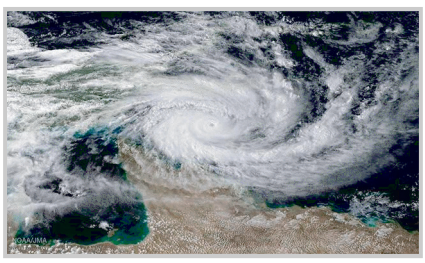

चक्रवाती तूफानों ने कैसे बढ़ाया इंश्योरेंस कंपनियों का खर्चा

नई दिल्ली। देश में एक के बाद एक आए दो तूफानों से कई राज्यों में इंश्योरेंस कंपनियों का खर्चा बढ़ गया है। शुरुआती आकलन के मुताबिक, ताउते और यास तूफान की वजह से कंपनियों पर इस साल करीब एक हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त क्लेम सेटेलमेंट करना पड़ेगा। सूत्रों के मुताबिक, साल दर साल आने वाले इन तूफानों की वजह से अब कंपनियां आने वाले साल में इंश्योरेंस के नियम और सख्त कर सकती हैं। इंश्योरेंस कंपनियों से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, कंपनियां आने वाले सालों में दुकानों और घरों का बीमा करने से पहले न सिर्फ उनकी मजबूती का पूरा मुआयना करेंगी बल्कि बढ़ते खर्च को काबू में करने की कोशिश भी करेंगी। साथ ही ऐसी जगहों पर इंश्योरेंस देते समय इंफ्रास्ट्रक्चर और मजबूत करने को कहा जाएगा। इसके अलावा इंश्योरेंस कंपनियां इन बातों पर भी ध्यान देंगी कि जिन इलाकों में बार-बार तूफान आ रहा है वहां इसके बचाव और होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हों। कोरोना महामारी के बाद कंपनियों पर क्लेम का बोझ लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में कंपनियों ने सामूहिक बीमा और कॉरपोरेट इंश्योरेंस में भी बीमा की दरों में 5 फीसदी का इजाफा किया है। तूफानों के बाद के इश्योरेंस क्लेम निपटारे को तेज और आसान बनाने के लिए भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीएआई ने भी सभी कंपनियों को निर्देश जारी कर दिए हैं। आईआरडीएआई ने कंपनियों से कहा है कि प्रभावित जिलों में तुरंत नोडल अधिकारी की नियुक्ति हो ताकि क्लेम की रफ्तार में रुकावट न आ सके। कंपनियों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से जुड़े दावों के भी तेज निपटारे के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही यह भी कहा गया है कि इन प्रक्रियाओं को तेज बनाने के साथ-साथ आसान भी बनाया जाए। क्लेम की बढ़ती रफ्तार को देखते हुए कंपनियों से ज्यादा सर्वेयर नियुक्त करने को कहा गया है। कोरोना महामारी के दौर में ज्यादा से ज्यादा कागजी कामकाज को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से करने की भी हिदायत दी गई है।

जम्मू-कश्मीर के त्राल में हुए विस्फोट में 7 घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के त्राल कस्बे में शनिवार को हुए एक विस्फोट में सात लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने कहा कि दोपहर में त्राल शहर के बस स्टैंड में एक विस्फोट हुआ। उन्होंने यह भी बताया कि विस्फोट में सात लोग घायल हो गए। उन्हें त्राल के उप-जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों ने एक घायल को विशेष उपचार के लिए श्रीनगर रेफर कर दिया। एक सूत्र ने कहा, डॉक्टरों ने कहा कि सभी घायलों के छें लगने की सूचना है। इस बीच तलाशी अभियान के लिए बस स्टैंड इलाके की घेराबंदी कर दी गई है।

दो महिला आईएएस अधिकारियों बीच हुआ विवाद, समीक्षा बैठक के बाद दोनों का हुआ तबादला

नई दिल्ली। कर्नाटक सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की दो महिला अधिकारियों रोहिणी सिंधूरी और शिल्पा नाग सी टी के बीच पिछले कुछ दिनों से खुलेआम चल रहे विवाद के बाद उनका मैसूर से तबादला कर दिया है। सिंधूरी मैसूर जिले की उपायुक्त थीं। उन्हें 'हिंदू रिलीजियस एंड चैरिटेबल एनडोमेंट्स' में आयुक्त पद पर भेजा गया है। पूर्व में भी वह इसी पद पर तैनात थीं। सिंधूरी की जगह अब बागदी गौतम को नियुक्त किया है जो अब तक वाणिज्य कर (प्रवर्तन) की अतिरिक्त आयुक्त थीं। शनिवार को जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार नाग मैसूर नगर निगम आयुक्त थीं। उन्हें आरडीपीआर विभाग में निदेशक (ई-गवर्नेंस) नियुक्त किया गया है। नाग की जगह लक्ष्मीकांत रेड्डी को नियुक्त किया गया है जो अब तक कर्नाटक खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध निदेशक थे। पिछले कुछ दिनों से दोनों महिला अधिकारियों के बीच खुलेआम विवाद चल रहा था। नाग ने एक संवाददाता सम्मेलन में सिंधूरी पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। हालांकि, सिंधूरी ने इन आरोपों से इनकार किया और कहा कि उन्होंने नाग से सिर्फ कोविड-19 प्रबंधन से संबंधित जानकारी मांगी थी। मुख्य सचिव पी रवि कुमार की शुक्रवार (4 जून) को मैसूर में समीक्षा बैठक के बाद ये तबादले हुए। मुख्य सचिव ने दोनों अधिकारियों के बीच विवाद के संबंध में मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को अवगत कराया।

परिवार के 6 सदस्यों को कार ने रौंदा, टक्कर से गिर गई घर की दीवार

फरीदाबाद । फरीदाबाद में तेज रफ्तार कार ने शुक्रवार देर रात घर के बाहर अलग-अलग चारपाई पर सो रहे एक ही परिवार के छह सदस्यों को रौंद दिया। कार निर्माणाधीन मकान की दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि दीवार गिर गई। हादसे में घायल बुद्ध कॉलोनी निवासी प्रकाश (40) पत्नी सुशीला (38), बेटी प्रीती (18), बेटा शिवम (15) और लव (10) और भांजी कोमल (13) मलबे में दब गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसमें सुशीला, कोमल और शिवम की हालत गंभीर बनी हुई है। वारदात को अंजाम देने के बाद चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दिल्ली नंबर की गाड़ी को कब्जे में लेकर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। शुक्रवार देर रात बड़खल फ्लाईओवर के पास बसी बुद्ध कॉलोनी में मकान के सामने प्रकाश का परिवार खुले में सो रहा था। घायल प्रकाश के मुताबिक मकान में मरम्मत होने के कारण कुछ दिनों से पूरा परिवार घर के बाहर चारपाइयों ही सो रहा था। शुक्रवार रात तेज रफ्तार टियागो कार अलग-अलग चारपाई पर सो रहे 6 सदस्यों को रौंदकर निर्माणाधीन मकान से जा टकराई। हादसे में निर्माणाधीन मकान की दीवार घायलों पर जा गिरी। इस मामले की जांच कर कर रहे हेड कांस्टेबल मुकेश भारद्वाज ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 1 बजे उन्हें सूचना मिली कि बड़खल फ्लाईओवर के पास बसी बुद्ध कॉलोनी में एक कार ने टक्कर मार दी है। पीड़ित प्रकाश घर बनवा रहे हैं। वह परिवार व भांजी के साथ घर के बाहर ही चारपाई पर सो रहे थे। तेज रफ्तार कार ने घर के बाहर सो रहे छह लोगों को कुचल दिया। हादसे में घायल प्रकाश उनकी पत्नी सुशीला, बेटी प्रीती, बेटा शिवम व लव और भांजी कोमल दीवार के मलबे में दब गए।

नेपाल में सदन भंग के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई के लिए नई संविधान पीठ गठित

काठमांडू:

नेपाल में प्रतिनिधि सभा को 22 मई को भंग किए जाने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई के लिए रविवार को देश की शीर्ष अदालत की एक संविधान पीठ का गठन किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीठ का गठन नेपाल के प्रधान न्यायाधीश चोलेंद्र शमशेर राणा ने उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्तियों के वरिष्ठता क्रम और विशेषज्ञता के आधार पर किया है। हिमालयन टाइम्स के मुताबिक नयी संविधान पीठ में न्यायमूर्ति दीपक कुमार कार्की, न्यायमूर्ति आनंद मोहन भट्टाराई, न्यायमूर्ति मीरा ढुंगना, न्यायमूर्ति ईश्वर प्रसाद खातीवाड़ा और स्वयं प्रधान न्यायाधीश शामिल हैं। नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने अल्पमत सरकार की अगुवाई कर रहे प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की सलाह पर 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा को पांच महीनों में दूसरी बार 22 मई को भंग कर दिया था और 12 तथा 19 नवंबर को मध्यावधि चुनाव कराने की घोषणा की थी। न्यायमूर्ति विशंभर प्रसाद श्रेष्ठ के बीमार पड़ने के बाद उनके क्रमानुयायी न्यायमूर्ति भट्टाराई और न्यायमूर्ति खातीवाड़ा को संविधान पीठ में शामिल किया गया है। इससे पहले, संविधान पीठ के गठन में एक विवाद के चलते सुनवाई प्रभावित हुई थी। खबर के मुताबिक प्रधान न्यायाधीश राणा ने इससे पहले पीठ के लिए न्यायमूर्ति दीपक कुमार कार्की, न्यायमूर्ति आनंद मोहन भट्टाराई, न्यायमूर्ति तेज बहादुर केसी और न्यायमूर्ति बाम कुमार श्रेष्ठ को चुना था जो 'असंवैधानिक' तौर पर सदन को भंग किए जाने के खिलाफ दायर करीब 30 याचिकाओं पर सुनवाई करती। भंग किए गए सदन के करीब 146 सदस्यों ने भी सदन की बहाली के अनुरोध के साथ उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है। इनमें नेपाल कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा भी शामिल हैं जिन्होंने संविधान के अनुच्छेद 76 (5) के तहत नयी सरकार के गठन का दावा भी पेश किया था। राष्ट्रपति भंडारी ने प्रधानमंत्री ओली और विपक्षी गठबंधन दोनों के सरकार बनाने के दावे को खारिज करते हुए कहा था कि 'दावे अपर्याप्त' हैं। विवाद उस वक्त खड़ा हो गया था जब देउबा के वकील ने उन दो न्यायमूर्तियों को संविधान पीठ में शामिल करने पर सवाल खड़े किए थे जो कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल के एकीकरण एवं पंजीकरण के पुनर्विचार मामले में पूर्व में फैसला ले चुके हैं। न्यायमूर्ति तेज बहादुर केसी और न्यायमूर्ति बाम कुमार श्रेष्ठ के पीठ न छोड़ने का फैसला लेने के बाद, दो अन्य न्यायामूर्तियों ने पीठ से खुद को अलग कर लिया। इससे प्रधान न्यायाधीश राणा को पीठ का पुनर्गठन करने पर मजबूर होना पड़ा। इस बीच, विपक्ष के गठबंधन ने ओली सरकार द्वारा कैबिनेट में फेरबदल किए जाने की शनिवार को निंदा की। ओली ने शुक्रवार को मंत्रिमंडल में फेरबदल किया था। नये कैबिनेट में तीन उप प्रधानमंत्री, 12 कैबिनेट मंत्री और दो राज्य मंत्री हैं।

श्रीलंका में डूब रहे जहाज का डेटा रिकॉर्डर बरामद

कोलंबो:

श्रीलंका में समुद्र विशेषज्ञों ने सिंगापुर के ध्वज वाले उस जहाज का डेटा रिकॉर्डर बरामद कर लिया है जो आग लगने के बाद कोलंबो तट पर धीरे-धीरे डूब रहा है। अधिकारियों ने बताया कि प्राधिकारियों ने समुद्री पर्यावरण पर इस घटना के असर की जांच करने के लिए एक समिति गठित की है। श्रीलंका बंदरगाह प्राधिकरण ने शनिवार को एक बयान में कहा कि अभी तक जहाज से तेल या रसायन रिसने के कोई संकेत नहीं मिले हैं। बयान में कहा गया है कि श्रीलंकाई नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल और स्थानीय प्राधिकारी किसी भी तरह के तेल प्रदूषण से निपटने या मलबा हटाने के लिए

घटनास्थल पर मौजूद हैं और वे चौबीसों घंटे स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं। 'मर्चेंट शिपिंग सेक्रेटेरियट के विशेषज्ञों ने श्रीलंकाई नौसेना की मदद से शनिवार को एमवी एक्स-प्रेस पर्ल जहाज का डेटा रिकॉर्डर या वीडीआर बरामद कर लिया जिसे 'जहाज के ब्लैक बॉक्स के नाम से भी जाना जाता है। रसायन और सौंदर्य प्रसाधन में इस्तेमाल होने वाला कच्चा माल लेकर जा रहे जहाज में 20 मई को कोलंबो तट के पास आग लग गई थी। यह जहाज गुजरात के हजीरा से आ रहा था। जहाज में सवार भारतीय, चीन, फिलीपीन और रूस की नागरिकता वाले चालक दल के सभी 25 सदस्यों को 21 मई को सुरक्षित बचा लिया गया। बरामद किया गया वीडीआर अब स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को सौंप दिया गया ताकि जांच में मदद मिल सके।

अमेरिका में मार्शल्स की गोलीबारी में अश्वेत की मौत, मिनियापोलिस में लोगों ने किया प्रदर्शन

न्यूयार्क:

'अमेरिका मार्शल्स सर्विस' के कार्यबल की गोलीबारी में एक अश्वेत आरोपी की मौत के विरोध में मिनियापोलिस में प्रदर्शन कर रहे लोगों और अधिकारियों के बीच शनिवार तड़के झड़प हुई। विंस्टन बूगी स्मिथ जूनियर (32) की गोलीबारी में हुई मौत के खिलाफ प्रदर्शन की तस्वीरों में दिख रहा है कि सड़कों पर कूड़े के ढेर में आग लगी है और कई अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं। मिनियापोलिस के अपटाउन के पड़ोस में बृहस्पतिवार को हुई गोलीबारी की इस घटना के विरोध में लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन हुए। पुलिस ने बताया कि 27 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से 26 आरोपियों के खिलाफ दंगे करने और एक आरोपी के खिलाफ हथियार संबंधी आरोप लगाए गए है। इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन कुछ कारोबारी इमारतों को क्षति पहुंची है। प्राधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि स्मिथ हथियार संबंधी कानून के उल्लंघन के मामले में वांछित था और उसने अमेरिका मार्शल्स के दो अधिकारियों पर गोली चलाई थी, जिसके बाद अधिकारियों ने उस पर गोलियां चलाईं। 'अमेरिका मार्शल्स फ्युगिटिव टास्क फोर्स' के कर्मी बंदूक रखने के आरोप में जारी वारंट के आधार पर स्मिथ को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रहे थे। स्मिथ के परिजन एवं मित्रों ने बताया कि वह तीन बच्चों का पिता था और पुलिस उसे अकसर परेशान किया करती थी। उन्होंने पुलिस से जांच में पारदर्शिता की अपील की। पुलिस ने बताया कि बृहस्पतिवार को हुई गोलीबारी के बाद कुछ लोगों ने इमारतों में तोड़-फोड़ की और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में चोरी की। दंगा, मारपीट, आगजनी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के संदेह समेत कई आरोपों के तहत नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि मिनियापोलिस में करीब एक साल पहले पुलिस कार्रवाई में अश्वेत जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद व्यापक प्रदर्शन हुए थे।

अफगानिस्तान में सड़क किनारे विस्फोट में मिनी बस सवार 11 यात्रियों की मौत

काबुल:

उत्तर पश्चिम अफगानिस्तान में सड़क किनारे किए गए विस्फोट की चपेट में एक मिनी यात्री बस आ गई और उसमें सवार कम से कम 11 यात्रियों की मौत हो गई, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। बादगीस प्रांत के गवर्नर हिशामुद्दीन शम्स ने रविवार को बताया कि मिनी बस विस्फोट की वजह से शनिवार को घाटी में गिर गई। उन्होंने कहा कि बचावकर्ता अब भी घाटी में शवों की तलाश कर रहे हैं। विस्फोट की तत्काल जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है, लेकिन प्रांतीय सरकार ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के वास्ते बम रखने के लिए तालिबान पर आरोप लगाया है। तालिबान की ओर से फौरन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

हमास के आतंकियों को मिलिट्री ट्रेनिंग देती हैं पाकिस्तानी सेना: जफर उल हक

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तानी सेना गाजा पट्टी में सक्रिय हमास के आतंकियों को मिलिट्री ट्रेनिंग दे रही है। इसका खुलासा पाकिस्तान के वरिष्ठ नेता और पूर्व राजनयिक राजा जफर उल हक ने किया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना बहुत पहले से ही हमास के लड़ाकों को ट्रेनिंग दे रही है, जो अब भी जारी है। इतना ही नहीं, पाकिस्तानी सेना की स्पेशल कमांडो यूनिट एसएसजी की एक बटालियन ट्रेनिंग सेंटर को चलाने के लिए गाजा में कई साल पहले से ही तैनात है। राजा जफर उल हक ने कहा कि जब मैं ट्यूनिशिया गया ,तब वहां अबू जिहाद (खलीद अल वजीर) उस समय जिंदा थे।

मुझे उनसे मिलवाया गया। उन्होंने कहा कि जब कभी इजरायल के साथ लड़ाई होती है जंग होती है या झड़पें होती है,तब सबसे ज्यादा लड़ने वाले वहां होतेहैं जिन्होंने पाकिस्तान के अंदर मिलिट्री ट्रेनिंग ली होती हैं। यहां पर उनकी मिलिट्री ट्रेनिंग हुई, होती रही है और अब भी हो रही है। अबू जिहाद गाजा में सक्रिय फतह पार्टी के सहसंस्थापक थे।

हमास और पाकिस्तान के बीच संबंधों का खुलासा करने वाले राजा जफर उल हक पाकिस्तानी सांसद हैं। वे अगस्त 2018 से मार्च 2021 तक पाकिस्तानी संसद में विपक्ष के नेता थे। इतना ही नहीं, वह जिया-उल-हक के कार्यकाल में मिस्र के राजदूत भी रह चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने 1997 से 1999 तक पाकिस्तान के धार्मिक मंत्रालयों का कार्यभार भी संभाला है। अब बड़े नेता का हमास को लेकर किया गया दावा पाकिस्तान के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। पाकिस्तान ने आजतक इजरायल को एक देश के रूप में मान्यता नहीं दी है। इसका प्रमुख कारण धर्म है। तब के अरब देशों के देखी पाकिस्तान ने भी धर्म को आधार बनाकर इजरायल को मान्यता देने से इनकार कर दिया था।इसकारण है कि कोई भी पाकिस्तानी अपने पासपोर्ट पर इजरायल की यात्रा नहीं कर सकता है।

चीनी वायरोलॉजिस्ट ने खोली पोल-वुहान से वायरस लीक बारे सब जानते थे डा.फाउची, जानबूझ कर रहे चुप

लॉस एंजलिस:

चीन के वुहान लैब से कोरोना वायरस लीक होने का मामला अब लगातार जोर पकड़ता जा रहा है। इस मामले में वैज्ञानिकों व जांच एजेंसियों द्वारा नित नए दावे किए जा रहे है। वायरस की उत्पति को लेकर दुनिया के निशाने पर आए चीन की एक महामारी रोग विशेषज्ञ (वायरोलॉजिस्ट) डॉ. ली-मेंग ने अब अमेरिका के प्रमुख वैज्ञानिक को निशाने पर लिया है। इस चीनी वायरोलॉजिस्ट का कहना है कि अमेरिका के शीर्ष कोरोना वायरस सलाहकार एंथनी फाउची के ईमेल से उसके दावों की पुष्टि होती है कि उन्हें वुहान लैब से वायरस लीक होने की जानकारी थी। ली मेंग ने कहा कि डॉ. फाउची को सब पता था और यह भी कि शहर के बीच वुहान इंस्टीट्यूट ऑफ वॉयरोलॉजी गेन ऑफ फंक्शन रिसर्च कर रहा है। वुहान शहर में ही पहली बार कोरोना वायरस फैला था। उन्होंने कहा कि एक ईमेल के मुताबिक %डॉ. फाउची को पिछले साल एक फरवरी को अचानक अहसास हुआ था कि कोरोना वायरस में गेन ऑफ फंक्शन रिसर्च भी शामिल हो सकती है। % बता दें कि फ्रीडम ऑफ इंफॉर्मेशन एक्ट के जरिए वॉशिंगटन पोस्ट, बजफीड न्यूज और सीएनएन ने 3 हजार से ज्यादा पेज के ईमेल अमेरिकी सरकार से हासिल किए हैं । ये ईमेल-जनवरी से जून 2020 तक के हैं जिनके दस्तावेजों के जारी होने के बाद अमेरिका में इस बात की बहस छिड़ गई है कि क्या डॉ. फाउची सबकुछ जानते हुए भी चुप रहे। फॉउची के ईमेल में अमेरिका में कोरोना वायरस संक्रमण फैलने की शुरुआत के बारे में जिक्र है। डॉ. फाउची और उनके सहयोगियों ने शुरू में ही वायरस का अंदाजा लगा लिया था और यह भी कि हो सकता है कि वायरस चीन के वुहान स्थित लैब से लीक हुआ हो। सीएनएन के साथ एक इंटरव्यू में फॉउची ने कहा कि उनके ईमेल को संदर्भ से हटाकर पेश किया जा रहा है और अब भी वायरस की उत्पत्ति को लेकर उनके विचार खुले हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक लैब लीक की बात है, ÷मुझे नहीं लगता कि वायरस को वुहान की लैबोरेट्री से लीक किया गया है। दबाव बढ़ने के बाद अब एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय नेता वुहान लैब लीक थ्यौरी पर फोकस कर रहे हैं। डॉ. ली-मेंग ने न्यूजमैक्स के साथ कहा कि फाउची के ईमेल में बहुत सारी जानकारियां हैं और इससे पता चलता है कि फॉउची ने जितना बताया है, उससे कहीं ज्यादा जानते हैं। इस सप्ताह जारी हुए फाउची के ईमेल सामग्री पर बोलते हुए ली-मेंग ने कहा, ÷वे लोग हमेशा से मेरे काम की पुष्टि करत रहे हैं, यहां तक कि पिछले साल जनवरी से ऐसा चला आ रहा है। अब साबित हो गया है कि इन लोगों को सबकुछ पता था लेकिन, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और अपने फायदे के लिए इन्होंने सबकुछ छुपाया। दरअसल चीन की यह वायरोलॉजिस्ट लगातार दोहराती रही हैं कि कोरोना वायरस चीन की लैब से निकला है। दरअसल कोरोना वायरस महामारी को देखते हुए अमेरिका में फ्रीडम ऑफ इंफॉर्मेशन के तहत इस हफ्ते मीडिया को बड़ी संख्या में डॉ. फाउची के ईमेल जारी किए गए हैं।

अफगानिस्तान: बम हमले में महिला पत्रकार समेत 4 की मौत, तालिबान का एक और जिले पर कब्जा

काबुल:

अफगानिस्तान में सुरक्षा बलों और तालिबानी आतंकियों के बीच आमने-सामने संघर्ष दौरान नूरिस्तान प्रांत में तालिबान के बम विस्फोट में महिला पत्रकार सहित 4 लोगों की मौत हो गई जबकि बघलान में 2 पुलिस प्रमुखों सहित सुरक्षा बल के आठ सदस्य मारे गए। इस बीच तालिबान ने एक जिले पर कब्जा कर लिया है। बम विस्फोट में महिला पत्रकार मीना खैरी (23) और उनकी मां सहित चार लोगों की मौत हो गई है। मीना की बहन इस घटना में घायल हुई है। बघलान प्रांत के जुगला जिले में दो पुलिस प्रमुख और सुरक्षा बल के छह सदस्यों को तालिबान ने घात लगाकर मार दिया। यह हमला रात में किया गया था।अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत नूरिस्तान में दोआब जिले पर कब्जे को लेकर बीस दिन से संघर्ष चल रहा था। आतंकवादियों ने जिले के सभी आपूर्ति मार्गों को बंद कर दिया। खाद्य आपूर्ति और गोला-बारूद न मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने जिले से अपना कब्जा छोड़ दिया। अब तालिबान ने नूनग्राम को भी घेर लिया है। पिछले तीन दिनों में तालिबान के हाथों में तीन जिले आ गए हैं। सुरक्षा बलों का हेरात प्रांत के कई स्थानों पर भी संघर्ष चल रहा है। इन घटनाओं में सुरक्षा बल के चार सदस्यों की मौत हो गई। आतंकियों ने यहां सुरक्षा बलों की चौकियों पर भी हमले किए। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि पिछले 24 घंटे में नानगरहर, गजनी, जाबुल, हेलमंद और कुंदुज प्रांतों में 183 तालिबानी आतंकियों को मार दिया गया, 58 घायल हुए हैं।

अमेरिका ने चीन को दिया झटका, दोस्त ताइवान को देगा कोरोना वैक्सीन

ताइपे:

अमेरिका ने ताइवान को लेकर एक बार फिर चीन को झटका दिया है। अमेरिका ने ताइवान के साथ रिश्तों को और मजबूत करते हुए महामारी में मदद का हाथ बढ़ाया है। अमेरिका 6 देशों को कोविड-19 टीके की लाखों खुराक देने के राष्ट्रपति जो बाइडेन के कदम के तहत ताइवान को टीके की 750,000 खुराक देगा। तीन सांसदों ने रविवार को इस बारे में बताया। ताइवान ने शिकायत की है कि चीन महामारी के बीच टीकों को प्राप्त करने के उसके प्रयास में बाधा उत्पन्न कर रहा है। अपने दो सहयोगियों के साथ ताइवान पहुंचीं इलिनोइस से डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद टैमी डकवर्थ ने कहा कि यह यात्रा लोकतांत्रिक द्वीप के लिए द्विदलीय सहयोग प्रदर्शित करती है। डकवर्थ ने कहा, ''हमलोग यहां एक मित्र के नाते आए हैं क्योंकि हम जानते हैं कि ताइवान इस वक्त चुनौती का सामना कर रहा है। यही कारण है कि हम तीनों के लिए यहां द्विदलीय रूप में होना विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है।%% अलास्का से रिपब्लिकन सांसद और सशस्त्र सेवा समिति के सदस्य डैन सुलिवन और डेलावेयर से डेमोक्रेटिक सांसद एवं विदेश मामलों की समिति के सदस्य क्रिस्टोफर कून्स भी रविवार को ताइवान पहुंचे। ताइवान के विदेश मंत्री जोसेफ वू ने हवाईअड्डे पर तीनों सांसदों का स्वागत किया और कहा कि वह उनका स्वागत कर ''सम्मानित%% महसूस कर रहे हैं और इस सहयोग के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, ''ताइवान संक्रमण के खिलाफ जंग में अलग तरीके की चुनौती का सामना कर रहा है। हम टीका आयात करने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं।

चीन ने 3-17 साल के बच्चों को कोरोना वैक्सीन लगाने की दी मंजूरी

बीजिंग।

चीन ने तीन साल से 17 साल के बच्चों के लिए चीनी कंपनी सिनोवैक द्वारा निर्मित कोविड-19 रोधी टीके कोरोनावैक के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है। सिनोवैक के अध्यक्ष यीन वेईदोंग ने इस बारे में बताया। सरकारी अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' ने रविवार को बेईदोंग के हवाले से बताया, ''टीका का आपात इस्तेमाल शुरू होने पर फैसला किया जाएगा कि किस उम्र समूह से इसकी शुरुआत की जाए।'' सिनोवैक ने क्लीनिकल अध्ययन के पहले और दूसरे चरण को पूरा कर लिया और इस उम्र के सैकड़ों लोगों पर टीके का इस्तेमाल किया। प्रयोग से साबित हुआ कि टीका वयस्कों के लिए सुरक्षित और प्रभावी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने एक जून को चीन के दूसरे कोविड-19 रोधी टीके सिनोवैक को मंजूरी दे दी। इससे पहले डब्ल्यूएचओ ने चीन के सिनोफार्म को भी मंजूरी दी थी। चीन अपने देश में टीकाकरण के साथ टीका नीति के तहत कई देशों को टीके का निर्यात कर रहा है। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने कहा है कि रविवार तक चीन में 76.3 करोड़ खुराकें दी गयी हैं। चीन अपने यहां आपात इस्तेमाल के लिए पांच टीकों को मंजूरी दे चुका है। चीन ने डब्ल्यूएचओ के सहयोग से चलायी जा रही 'कोवैक्स' पहल के लिए भी एक करोड़ खुराकें देने का प्रस्ताव दिया है।

संक्षिप्त समाचार

US न्याय विभाग लीक जांच में अब पत्रकारों के रिकॉर्ड नहीं करेगा जब्त

वाशिंगटन। अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा कि वह लीक हुई सूचनाओं की जांच के दौरान गोपनीय तरीके से संवाददाताओं के रिकॉर्ड हासिल नहीं करेगा। यह एक नीतिगत बदलाव है। पूर्व में खबरिया संगठन और प्रेस की स्वतंत्रता के लिए काम करने वाले समूह गोपनीय तरीके से पत्रकारों के रिकॉर्ड हासिल करने की निंदा करते रहे हैं। नीति में यह बदलाव राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा पिछले महीने इस बारे में संकल्प व्यक्त करने के बाद आया है। उन्होंने कहा था कि पत्रकारों का रिकॉर्ड जब्त करना 'बिल्कुल गलत' है और उनका न्याय विभाग इस प्रक्रिया को रोकेगा। सम्मन और अदालती आदेशों को पत्रकारों के रिकॉर्ड हासिल करने के लिये डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन प्रशासन हथकंडे के तौर पर इस्तेमाल करता रहा है, खासकर गोपनीय सूचना के लिये पत्रकारों के सूत्रों की पहचान के लिए। इस प्रक्रिया की हालांकि पिछले कुछ महीनों में नए सिरे से समीक्षा हुई क्योंकि न्याय विभाग के अधिकारियों ने तीन विभिन्न समाचार संगठनों - वाशिंगटन पोस्ट, सीएनएन और द न्यूयॉर्क टाइम्स- के पत्रकारों को सतर्क किया कि ट्रंप प्रशासन के दौरान उनके फोन रिकॉर्ड हासिल किये गए थे। सबसे नवीनतम खुलासा शुक्रवार रात को हुआ जब टाइम्स ने उस निषेध आदेश का खुलासा किया जो अखबार को चार पत्रकारों के ईमेल रिकॉर्ड हासिल करने के प्रयासों को लेकर हो रही गोपनीय अदालती कार्रवाई के खुलासे से रोकता है। यह विवाद ट्रंप प्रशासन के दौरान शुरू हुआ था लेकिन बाइडन के न्याय विभाग के दौरान भी मौजूद रहा और उसने अंततः इस निषेध आदेश को वापस ले लिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने शनिवार को कहा कि शुक्रवार रात तक व्हाइट हाउस में किसी को इन निषेध आदेश की जानकारी नहीं थी लेकिन व्यापक रूप से, 'लीक सूचनाओं की जांच के लिये पत्रकारों के रिकॉर्ड के लिये सम्मन जारी करना विभाग को राष्ट्रपति के नीति निर्देश के अनुरूप नहीं है।'

ट्विटर की 'हरकतों' पर अब नाइजीरिया में भी बवाल, सरकार ने इस्तेमाल पर लगाया प्रतिबंध

मॉस्को: नाइजीरिया ने देश की एकता को खतरे में डालने वाली गतिविधियों के मद्देनजर ट्विटर पर अनिश्चितकाल के लिए रोक लगा दी है। सूचना और संस्कृति मंत्री लाई मोहम्मद ने यहां ट्वीटर पर जारी एक बयान में यह जानकारी दी। मोहम्मद ने कहा, ''संघीय सरकार ने नाइजीरिया में माइक्रोब्लॉगिंग और सोशल नेटवर्किंग सेवा ट्विटर के संचालन को अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया है।'' ट्वीटर ने पहले सप्ताह में नाइजीरिया के राष्ट्रपति मुहम्मदु बुहारी के अलगाववादी समूह बियाफ्रा के मूल निवासियों को धमकी देने वाले ट्वीट को हटा दिया था। जो कि सरकारी कार्यलायों पर हमला करते रहते है। निलंबन का जवाब देते हुए ट्विटर ने कहा कि अफ्रीका में सबसे बड़े लोकतंत्र द्वारा निलंबन ''गहराई से संबंधित'' है और ''नाइजीरिया में उन सभी के लिए पहुंच बहाल करने के लिए काम करेगा जो दुनिया से संवाद करने और जुड़ने के लिए ट्विटर पर भरोसा करते हैं।''

नाइजीरिया के केब्बी राज्य में आतंकवादियों ने की 88 नागरिकों की हत्या

मॉस्को: नाइजीरिया के केब्बी राज्य में सशस्त्र आतंकवादियों ने कई गांवों पर हमला कर कम से कम 88 नागरिकों की हत्या कर दी और बड़ी संख्या में गायों का अपहरण कर लिया। नाइजीरिया के पीपुल्स गजट ने शनिवार को स्थानीय पुलिस प्रवक्ता नफी'उ अबुबकर के हवाले से यह रिपोर्ट दी है। अबुबकर ने बताया कि आतंकवादियों ने गुरुवार को दोपहर करीब 3:00 बजे सात गांवों निर्दोष नागरिकों पर हमला कर गोली बरसानी शुरू कर दी। हमले में पुरुष और महिला सहित 88 नागरिक मारे गए है। प्रवक्ता के अनुसार हमला मुख्य रूप से गायों को चुराने के लिए किया गया था और पुलिस कुछ जंगली जानवरों को बचाने में सफल रही।

संपादकीय

खास समूह के खातों के खिलाफ

इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर किस तरह शरारत पर उतर आया है, इसका प्रमाण है उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू के व्यक्तिगत खाते को ब्लू टिक यानी प्रमाणन से वंचित करना। ट्विटर ने यही हरकत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख पदाधिकारियों के खातों के साथ भी की। अपनी इस उकसावे वाली हरकत के लिए ट्विटर ने यह जो तर्क दिया कि छह माह तक खाते का उपयोग न करने वालों का ब्लू टिक हटा दिया जाता है, वह इसलिए स्वीकार्य नहीं हो सकता, क्योंकि कई ऐसे लोगों के प्रमाणित खाते यथावत हैं, जिन्होंने वर्षों से उनका उपयोग नहीं किया है। इनमें से कई तो ऐसे लोगों के हैं, जिनका निधन हो गया है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि बाद में ट्विटर ने सभी के खातों का ब्लू टिक चिन्ह बहाल कर दिया। वैसे भी इससे कुल मिलाकर यही साबित हुआ कि वह यह परखना चाहता था कि उसकी इस ओछी हरकत पर क्या प्रतिक्रिया होती है? यदि उसके नियम न्यायसंगत थे तो फिर उसने उपराष्ट्रपति समेत संघ के पदाधिकारियों के ब्लू टिक वापस कैसे कर दिए? साफ है कि उसने गलत इरादे से यह हरकत की और उसके नियम ऐसे हैं, जिनका इस्तेमाल वह मनमाने तरीके से करता है। यह समझना कठिन नहीं कि अहंकारी ट्विटर ने एक खास समूह के खातों के खिलाफ ही कार्रवाई क्यों की? उसने ऐसा या तो सरकार को

अपनी ताकत दिखाने के लिए किया या फिर इसलिए कि यदि उसे सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी नियम मानने के लिए बाध्य किया जाएगा तो वह इसी तरह की मनमानी करेगा? यह ठीक है कि सरकार ने ट्विटर को अपने नियमों का पालन करने के लिए आखिरी नोटिस दे दी, लेकिन इसकी कोई आवश्यकता नहीं थी। सरकार को अपने नियमों का पालन कराने के मामले में अड़ियल ट्विटर के प्रति नरमी दिखाने से बचना चाहिए था। आखिर जब अन्य प्लेटफार्म सरकार की ओर से तय नियम मानने के लिए तैयार हो गए हैं तो फिर ट्विटर को सरकार की आंखों में धूल झोंकने की छूट क्यों मिलनी चाहिए? ट्विटर हो अथवा अन्य कोई ऐसी ही कंपनी, किसी को भी मनमाने तरीके से संचालित होने की रियायत एक दिन के लिए भी नहीं मिलनी चाहिए। यदि उन्हें भारत में काम करना है तो भारतीय नियम-कानूनों को मानना ही होगा। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सूचना-संवाद के इंटरनेट मीडिया आधारित प्लेटफार्म अपनी ही चलाने से बाज आएं। इस मामले में उसे ट्विटर और वाट्सएप पर खास तौर पर निगाह रखनी होगी, क्योंकि ये दोनों मनमानी पर आमादा हैं। ट्विटर तो कुछ ज्यादा ही बेलगाम और बिगड़ैल हो रहा है। उसे सही राह पर लाना भारत सरकार की जिम्मेदारी है।

'आज के ट्वीट

कसर

वो तो अच्छा हुआ हमारे पूर्वजों ने इतिहास को पत्थरों पर लिख दिया,वरना कुछ लोगों ने नालंदा में किताबे जलाकर इतिहास मिटाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

क्या 2050 तक डूब जाएंगे मुंबई,कोलकाता, चेन्नई?

सुशील द्विवेदी

संयुक्त राष्ट्र ने साल 1972 में विश्व पर्यावरण दिवस मनाने की घोषणा की थी, लेकिन पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1974 को मनाया गया और इस प्रकार दुनियां इस साल 48वां विश्व पर्यावरण दिवस मना रही है। हर बार अलग- अलग देश विश्व पर्यावरण दिवस की मेज़बानी करते हैं। इस वर्ष अर्थात् 2021 में इसकी मेज़बानी पाकिस्तान को दी गई है। संयुक्त राष्ट्र मेजबान देश पाकिस्तान के साथ मिलकर 'संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम' के तहत लोगों के मन में पर्यावरण के संरक्षण और सुरक्षा के प्रति चेतना जागृत करने सम्बन्धी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। हर वर्ष पर्यावरण दिवस की कोई न कोई थीम रखी जाती है। इस बार की थीम पारिस्थितिकी तंत्र बहाली (**Ecosystem Restoration**) है। प्रकृति के बिना मानव जीवन संभव नहीं है। हमारे लिए पेड़-पौधे, जंगल, नदियां, झीलें, जमीन, पहाड़ बहुत जरूरी हैं। इसलिए पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण की बहाली का संकल्प लेना चाहिए। संपूर्ण मानवता का अस्तित्व प्रकृति पर निर्भर है। इसलिए एक स्वस्थ एवं सुरक्षित पर्यावरण के बिना मानव समाज की कल्पना अधूरी है। प्रकृति को बचाने के लिए हमसब को मिलकर कुछ संकल्प लेना होगा। हम तय करें कि वर्ष में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और उसे बचाएं तथा पेड़-पौधों के संरक्षण में सहयोग करें। आज के समय की प्रमुख पर्यावरणीय समस्याएं जल प्रदूषण,वायु प्रदूषण,ध्वनि प्रदूषण,भूमि प्रदूषण तथा जनसंख्या वृद्धि और पर्यावरण की घटती गुणवत्ता है।

ई वेस्ट या ई-कचरा एक नया संकट

सच यह है कि स्वच्छ भारत अभियान और स्मार्ट शहर परियोजना पर जोर दिए जाने के बाद भी भारत ई-कचरा पैदा पैदा करने वाले शीर्ष पांच देशों में बना हुआ है। एसोचैम-नेक की ओर से हाल ही में कराए गए एक अध्ययन में यह बात सामने आई है। ई-कचरे में आम तौर पर हटाए गए कंप्यूटर मॉनीटर, मदरबोर्ड, कैथोड रे ट्यूब (सीआरटी), प्रिंटिड सर्किट बोड (पीसीबी), मोबाइल फोन व चार्जर, कॉम्पैक्ट डिस्क, हेडफोन के साथ लिक्विड क्रिस्टल डिस्प्ले (एलसीडी)/प्लाज्मा टीवी, एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर शामिल हैं। रिपोर्ट में सामने आया है कि 'असुरक्षित ई-कचरे की की रीसाइकिलिंग के दौरान उत्सर्जित रसायनों/प्रदूषकों के संपर्क में आने से तंत्रिका तंत्र, रक्त प्रणाली, गुर्दे व मस्तिष्क विकार, श्वसन संबंधी विकार, विकार, गले में सूजन, फेफड़ों का कैंसर, दिल, यकृत को नुकसान पहुंचता है।

पारिस्थितिक तंत्र पर मंडराता खतरा

मानव जनित ग्रीन हाउस गैसें ग्रह के वातावरण या जलवायु में परिवर्तन और अंततः भूमंडलीय ऊष्मीकरण के लिए उत्तरदायी होती हैं। इनमें सबसे ज्यादा उत्सर्जन कार्बन डाई आक्साइड, नाइट्रस आक्साइड, मीथेन, क्लोरो-फ्लोरो कार्बन, वाष्प, ओजोन आदि करती हैं। शोध के मुताबिक कार्बन डाई आक्साइड का उत्सर्जन पिछले 10-15 साल में 40 गुणा बढ़ गया है। वैश्विक तापमान में वृद्धि से तूफान, बाढ़, जंगल की आग, सूखा और लू के खतरे की आशंका बढ़ गई है। एक गर्म जलवायु में, वायुमंडल अधिक पानी एकत्र कर सकता है और बारिश कर सकता है, जिससे वर्षा के पैटर्न में बदलाव हो रहा है वैश्विक तापमान मैं बढ़ोतरी से ग्लेशियर पिघल रहे है, जिससे समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। ग्लेशियर पिघलने की स्थिति में दुनिया में कुल 293 शहरों पर खतरा जताया गया है। इनमें भारत के तीन शहरों के नाम भी हैं- कर्नाटक का मंगलोर, महाराष्ट्र का महाराष्ट्र का मुंबई और आंध्र प्रदेश का काकिंदा।

एक अध्ययन से पता चला है कि कुछ साल में ही एक अरब से ज्यादा लोगों को जलवायु की समस्याओं के चलते विस्थापित होना पड़ सकता है।हाल ही इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमी एंड पीस की रिपोर्ट में यह अनुमान बताया गया है। यह संस्था हर साल वैश्विक आतंकवाद और शांति के इंडेक्सेस जारी करता है। इस संस्था ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य स्रोतों के आंकड़ों का उपयोग कर 157 देशों में आठ पारिस्थितिकीय खतरों से सामना होने के नतीजों की गणना की। इसके बाद उन्होंने उस देश की इन खतरों से निपटने की क्षमता का भी आंकलन किया। इस अध्ययन में, द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन और तेजी से बढ़ती जनसंख्या जैसे कारकों की वजह से 31 देशों के 1.2 अरब से अधिक लोगो के समाने अपनी जगह से विस्थापित होने के जोखिम का खतरा आ जाएगा क्योंकि यह पारिस्तिथिकी खतरों का पर्याप्त प्रतिरोध नहीं कर सकेंगे। इनमें से शीर्ष 19 देशों में खाद्य और पानी की कमी होगी जो कि दुनिया के 40 सबसे कम शांतिपूर्ण देशों में शामिल होंगे। इस अध्ययन में कहा गया है कि साल 250 तक कुल 141 देश ऐसे होंगे जो कम से कम एक पारिस्थिकी खतरे का सामना कर रहे होंगे। इनमें से सबसे ज्यादा खतरा अफ्रीका के उप साहरा, दक्षिण एशिया, मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका के देशों में होगा। वहीं पानी की कमी के मामले में भारत चीन के साथ शीर्ष पर है।

कुछ अच्छी हरित कोशिशें ला सकतीं हैं बदलाव

जहां भी हो सके, जैसे भी हो ऊर्जा बचाएँ। यह बचत आपके फालतू के खर्च भी कम करेगी। समान्य बल्ब तथा सीएफएल बल्बों के स्थान पर एल ई डी लेंपों का इस्तेमाल करें। किसान पोषक तत्वों से भरपूर सूखा प्रतिरोधी कम पानी मैं उगने वाले मोटे अनाज खेतों मैं उगाएं। वाशिंग मशीन तभी चलाएँ जब उचित मात्रा में कपड़े हों।कपड़े सुखाने हेतु ड्रायर का प्रयोग रोककर बिजली बचाएं। स्टार लेवल वाले उपकरण प्रयोग करें ये15 प्रतिशत तक बिजली बचाते हैं। गाड़ी के टायरों में हवा सही रखकर 3 प्रतिशत ईंधन बचा सकते हैं।अधिक से अधिक वृक्ष लगाएँ। एक अकेला वृक्ष अपनी जिन्दगी में एक टन कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है। स्थानीय रूप से उपलब्ध खाद्य पदार्थों के इस्तेमाल से ऊर्जा की खपत आधी की जा सकती है। खाना बर्बाद न करें। इसे तैयार करने में बहुत ऊर्जा लगती है। फ्रोजन फूड की जगह ताजा खाना खाएँ। डिब्बाबन्द चीजों से बचें। आपकी किफायत दुनिया को बचा सकती है। अगर हो सके तो प्राकृतिक (अक्षय) ऊर्जा प्रयोग में लाएँ।नहाते समय बाथरूम मैं फव्वारा के स्थान पर बाल्टी -मग से नहाकर पानी बचाएं।घर मैं खिड़की हों तथा बच्चे अपनी पढ़ाई की टेबल कुर्सी खिड़की तरफ लगाकर प्राकृतिक लाइट का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग कर बिजली बचा सकते हैं

(लेखक पर्यावरणविद् तथा अर्थ डे नेटवर्क स्टार अवार्ड 2020 विजेता हैं)

ज्ञान गंगा

आत्म-कल्याण

श्रीराम शर्मा आचार्य

आत्म-कल्याण का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए आत्म-सुधार, आत्म-निर्माण और आत्म-विकास की प्रक्रिया को अपनाना आवश्यक है। जप, तप, ध्यान-भजन की सारी आध्यात्मिक विधि व्यवस्था इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए है। पर यह उद्देश्य जिन साधनों से प्राप्त होता है वह शरीर, मन और समाज हैं। इनके सुव्यवस्थित रहे बिना आत्म-कल्याण का लक्ष्य प्राप्त होना तो दूर जीवित रहने के दिन कटने भी कठिन हो जाते है। साधना का प्रथम सोपान, बाह्य-जीवन को सुव्यवस्थित बनाते हुए आत्मिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करना है। इस प्रथम कक्षा को उत्तीर्ण किये बिना जो लोग छलांग मारकर ऊपर चोटी पर चढ़ना चाहते हैं, सीधे प्रत्याहार, समाधि, चक्र-वेधन, कुण्डलिनी जागरण की बात सोचते हैं उन्हें असफलता ही मिलती है। आत्मिक पूर्णता का लक्ष्य मलीन और दूषित साधनों से कैसे प्राप्त किया जा सकेगा? स्वस्थ शरीर, स्वच्छ मन और सभ्य समाज के सहारे ही आत्मा अपने लक्ष की ओर गतिवान होती है। इसलिए प्रगति की इस पहली मंजिल को हमें सावधानी से पूरा करना चाहिए। इसके बाद अगली मंजिलें बहुत ही सरल हो जाती हैं। प्रथम कक्षा कमजोर रहे तो आगे का काम कैसे चलेगा? जिसके पैर ही कमजोर हैं उससे दौड़ कैसे लगाई जा सकेगी? जिसने प्राथमिक पाठशाला के स्वर, व्यंजन, गिनती, पहाड़े ही ठीक तरह याद नहीं किए हैं, उसके लिए एम.ए. की उत्तीर्णता का स्वप्न, काल्पनिक ही रह जाएगा। योग-साधना में पहले यम-नियमों की साधना करनी पड़ती है। अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह-यम और शौच, सन्तोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वर प्रणिधान-नियम इन दसों बातों पर बारीकी से ध्यान दिया जाय तो स्पष्ट हो जाता है कि इनका उद्देश्य शारीरिक, मानसिक और सामाजिक सुव्यवस्था ही है। ब्रह्मचर्य, शौच और तप का कार्यक्रम शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से रखा गया है। इन्द्रियों का संयम ब्रह्मचर्य के अंतर्गत आता है। शरीर, वस्त्र, घर एवं उपकरणों की स्वच्छता का तात्पर्य शौच है। तप का अर्थ है शारीरिक और मानसिक श्रम-आसन, प्राणायाम, व्यायाम, तितिक्षा, कष्ट-सहिष्णुता आदि। इन्हीं या ऐसे ही सुणों से स्वास्थ्य की रक्षा होती है। सत्य, सन्तोष, स्वाध्याय और ईश्वर उपासना यह चार आधार मानसिक स्वच्छता के लिए हैं।

हमने बेटियों के लिए द्वार खोल दिए

हुस्ना जलील राजनेता

भारतीय उप-महाद्वीप के ज्यादातर देशों ने इतिहास के आधुनिक दौर में, खासकर 20वीं सदी के उत्तरार्द्ध से लगातार औरतों की आजादी और उनकी खुदमुख्तारी की नई-नई इबारतें गढ़ीं। मगर हमारे पड़ोस में एक मुल्क ऐसा भी है, जहां की औरतें 21वीं सदी के इस तीसरे दशक में भी अपने लिए इज्जत और आजादी की मुश्किल लड़ाई लड़ रही हैं। और इस लड़ाई की एक शिनाख्त हुस्ना जलील हैं। आज से तकरीबन 29 साल पहले पैदा हुईं हुस्ना अफगानिस्तान के गजनी में पली-बढ़ीं। तब इसके चप्पे-चप्पे पर तालिबान का निजाम कायम था। जाहिर है, बच्चियों के लिए स्कूल के दरवाजे बंद हो गए थे। पश्चिमी तर्ज की तालीम को उनके लिए हराम करार दिया जा चुका था। अब जिस समाज में ज्यादा पढ़ने-लिखने वाले लड़कों के काफिर बनने की कहानियां पीढ़ियों से बांची जाती रही हों, वहां बेटियों को पढ़ाने की हसरत भला कौन पालता? लेकिन हुस्ना इस मामले में खुशकिस्मत रहीं कि उनके वालिद का अपने कबीले व इलाके में ऊंचा वकार था और वह लड़कियों की तालीम के हामी थे। काम आसान न था, मगर उनकी कोशिशों की बदौलत कस्बे की बच्चियों को सख्त परदे में मदरसे जाने की इजाजत मिल गई। बेटियां इतने पर भी बहुत खुश थीं, उनकी अंधेरी दुनिया में आखिर एक रोशन दरवाजा जो खुला था। तालिबान का शासन उरुज पर था, हुस्ना के वे बचपन के दिन थे। मुल्क के हालात दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे थे। चौतरफा हिंसा और औरतों पर आयद पाबंदियों का आलम यह था कि अफगानिस्तान को स्त्रियों के लिए दुनिया का सबसे खतरनाक मुल्क कहा जाने लगा था। वक्त ने एक अजीबोगरीब करवट ली। न्यूयॉर्क के ट्विन टावर पर अल-कायदा के हमलों ने अमेरिका को मातम में डाल दिया था, वहीं बाकी दुनिया उस वारदात से थर्रा उठी थी। मगर उसके नतीजतन अफगानिस्तान में जो कुछ हुआ, उससे वहां के अमनपसंद लोगों, खासकर हुस्ना जैसी लड़कियों की जिंदगी बदल गई। साल 2001 में तालिबानी हुकूमत के अंत और हामिद करजई की ताजपोशी के बाद दुनिया भर की एजेंसियों ने अफगानी बच्चों की शिक्षा पर खासा जोर दिया। वहां काफी सारे सामुदायिक स्कूल खुले और उनमें से एक में हुस्ना को भी पढ़ने का मौका मिला। हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने भौतिकी में बैचलर की डिग्री ली और फिर 'अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ अफगानिस्तान' से एमबीए की। इसके बाद तो जैसे सारा आकाश हुस्ना का था। वह कई निजी-सरकारी कंपनियों के प्रबंधन बोर्ड की सदस्य रहीं। उन्होंने अपनी कंपनी भी शुरू की। हर जिम्मेदारी में हुस्ना को बस एक ही सोच प्रेरित करती रही- वह अफगानिस्तान की आने वाली नस्लों, खासकर बेटियों को अपनी किसी नाकामी से मायूस नहीं होने दे सकतीं। इसलिए हरेक काम को वह पूरी शिद्दत से करती रहीं। वर्ष 2014 में अशरफ गनी अफगानिस्तान के सदर बने। उन दिनों वहां के सरकारी भ्रष्टाचार के किस्से खूब सुनने को मिलते थे। गनी अवाम को इससे छुटकारा दिलाने का वादा करके आए थे। उन्हें कुछ ऐसे कुशल नौजवानों की तलाश थी, जो पश्चिमी शिक्षा से लैस हों और जिनमें अपने मुल्क को लेकर कोई प्रतिबद्धता हो। ऐसे कई नौजवानों को उन्होंने मंत्रालयों में वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किया। खान एवं पेट्रोलियम मंत्रालय में हुस्ना को 'पॉलिसी ऐंड रिसर्च डायरेक्टरेट' का प्रमुख बनाया गया। तालीम, तजुर्बे और काबिलियत ने हुस्ना को जल्द ही उस पद पर पहुंचा दिया, जिसके ख्वाब सियासतदां दशकों देखते हैं और चंद को ही यह नसीब हो पाता है। फिर हुस्ना तो तब महज 26 साल की थीं। 2018 में वह गृह मंत्रालय में उप-मंत्री बनाई गईं। पद संभालते वक्त वह वाकिफ थीं कि मर्दों के दबदबे वाले देश और समाज में उनकी यह हिमाकत आगे कई दुश्वारियां खड़ी करेगी। पर उनके सामने कहीं बड़ा मकसद था। बकौल हुस्ना- 'मैंने तब बस यही सोचा कि अगर मैं कामयाब हुई, तो इसका मतलब औरतों के लिए दरवाजे का खुलना होगा।' आशंका के मुताबिक, हुस्ना जो भी बदलाव करना चाहती थीं, मर्द सहकर्मी उसकी राह में तरह-तरह की बाधाएं खड़ी कर देते। मगर जब बेकाबू पुलिस अफसरों को नियंत्रित करने की बात आई, तो उन्होंने कड़ा रवैया अपनाया। सख्ती, सुधार और पुलिस महकमे में महिला सशक्तीकरण की उनकी कोशिशें उनके लिए दुष्प्रचार लेकर आईं। उन्हें 'वेश्या' तक कहा गया। मगर इन सबसे बेपरवाह हुस्ना अपने मिशन में जुटी रहीं। तालिबान से उन्हें लगातार मार डालने की धमकियां मिलती रहीं, इसके बावजूद उन्होंने देश के 34 में से 26 प्रांतों का दौरा किया। ऐसा उनके पुरुष समकक्षों ने भी नहीं किया होगा। इस साल फरवरी में वह महिला मामलों की उप-मंत्री बनाई गई हैं। आज अफगानिस्तान के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में 40 फीसदी लड़कियां हैं। हुस्ना जलील जैसी चंद साहसी महिलाओं ने सचमुच उनके लिए दरवाजे खोल दिए हैं।

प्रस्तुति - चंद्रकांत सिंह

आज का राशिफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

मंदिरों की नगरी वृन्दावन

मथुरा से 15 कि.मी.की दूरी पर वृन्दावन में भव्य एवं सुन्दर मंदिरों की बड़ी श्रृंखला इसे मंदिरों की नगरी बना देती है। मुख्य बाजार में बांके बिहारी जी का मंदिर सबसे अधिक लोकप्रिय है। यहां दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित ''गोविन्द देव मंदिर'' तथा उत्तर शैली में बना ''रंगजी मंदिर'' एवं कृष्ण-बलराम के मंदिर भी दर्शनीय हैं। वृंदा तुलसी को कहा जाता है और यहां तुलसी के पौधे अधिक होने के कारण इस स्थान का नाम वृंदावन रखा गया। मान्यता यह भी है कि वृंदा कृष्ण प्रिय राधा के सोलह नामों में एक है। बृजमण्डल की 84 कोसी परिक्रमा में वृंदावन सबसे महत्वपूर्ण है।

बांके बिहारी जी का मंदिर

बादामी रंग के पत्थरों एवं रजत स्तम्भों पर बना कारीगरी पूर्ण बांके बिहारी जी के मंदिर का निर्माण संगीत सम्राट तानसेन के गुरु स्वामी हरिदास ने करवाया था। जहां फूलों एवं बैंडबाजे के साथ प्रतिदिन आरती की जाती है जिसका दृश्य दर्शनीय होता है। मंदिर में दर्शन वैष्णव परम्परानुसार पर्दे में होते हैं। मंदिर भक्तगणों के दर्शन के लिए प्रात: 9 से 12 बजे तक एवं सायं 6 से 9 बजे तक मंदिर खुला रहता है।

निधीवन

यह एक ऐसा वन है जहां के पेड़ पूरे वर्ष हरे-भरे रहते हैं। यहां तानसेन के गुरु संत हरिदास ने अपने भजन से राधा-कृष्ण के युग्म रूप को साक्षात प्रकट किया था। यहां कृष्ण और राधा विहार करने आते थे। यहीं पर स्वामी जी की समाधि भी बनी है। जनश्रुति है कि मंदिर कक्ष में कृष्ण-राधा की शैय्या लगा दी जाती है तथा राधा जी का श्रृंगार सामान रख कर बन्द कर दिया जाता है। जब प्रात: देखते हैं तो सारा सामान अस्त-व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा-कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं।

श्री शाह मंदिर

निधीवन के समीप करीब 150 वर्ष प्राचीन श्री शाह का मंदिर बना है। सात टेढ़े-मेढ़े खम्भों पर बने इस मंदिर का निर्माण शाह बिहारी ने करवाया था। संगमरमर एवं रंगीन पत्थरों की शिल्प कला देखते ही बनती है। परिसर में कलात्मक फव्वारे भी लगाये गये हैं। मंदिर के फर्श पर पांवों के निशान एवं इन पर बनी कलाकृतियां सुन्दर प्रतीत होती हैं। शिखर एवं दीवारों पर आकर्षक मूर्तियां बनाई गई हैं।

श्री रंगनाथ मंदिर

दक्षिणी एवं उत्तरी शैली में सोने के खम्भों वाले इस मंदिर का निर्माण सेठ गोविन्द दास एवं राधा कृष्ण ने 1828 ई.में करवाया था। मंदिर का प्रवेश द्वार राजस्थानी शैली में निर्मित है। सात परकोटों वाला यह मंदिर एक किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। मंदिर प्रांगण में 500 किलोग्राम सोने से बना 60 फीट ऊँचा सोने का गरूड़ स्तम्भ है। प्रवेश द्वार पर भी सोने के 19 कलश बनाये गये हैं। अद्वितीय वास्तुकला से सुसज्जित मंदिर का मुख्य आकर्षण है श्रीरंगनाथ जी। चाँदी व सोने का सिंहासन, पालकी एवं चंदन का विशाल रथ दर्शनीय है। मंदिर परिसर में एक जलकुण्ड बना है। बताया जाता है कि यहां कृष्ण ने गजेन्द्र हाथी को मगरमच्छ के चंगुल से छुड़वाया था।

वृन्दावन के अन्य मंदिरों में श्री राधा मोहन मंदिर, कालीदह, सेवाकुंज, अहिल्या टीला, ब्रह्म कुण्ड, श्रृंगारवट, चीर घाट, गोविन्द देव मंदिर, काँच का मंदिर, गोपेश्वर मंदिर एवं सवा मन सालिग्राम मंदिर आदि भी दर्शनीय हैं।

वैकुंठ धाम कहां और कैसा है

वैकुण्ठ का शाब्दिक अर्थ है- जहां कुंठा न हो। कुंठा यानी निष्क्रियता, अकर्मण्यता, निराशा, हताशा, आलस्य और दरिद्रता। इसका मतलब यह हुआ कि वैकुण्ठ धाम ऐसा स्थान है जहां कर्महीनता नहीं है, निष्क्रियता नहीं है। कहते हैं कि मरने के बाद पुण्य कर्म करने वाले लोग स्वर्ग या वैकुंठ जाते हैं। हालांकि वेद यह नहीं कहते हैं कि मरने वे बाद लोग स्वर्ग या वैकुंठ जाते हैं। वेदों में मरने के बाद की गतियों के बारे में उल्लेख मिलता है और मोक्ष क्या होता है इस पर ही ज्यादा चर्चा है। खैर, हम आपको पुराणों की धारणा अनुसार बताना चाहेंगे कि वैकुंठ धाम कहां है और वह कैसा है।

वैकुंठ धाम कहां है ?

हिन्दू धर्म के अनुसार कैलाश पर महादेव, ब्रह्मलोक में ब्रह्मदेव बसते हैं। उसी तरह भगवान विष्णु का निवास वैकुंठ में बताया गया है। वैकुंठ लोक की स्थिति तीन जगह बताई गई है। धरती पर, समुद्र में और स्वर्ग के ऊपर। वैकुंठ को विष्णुलोक और वैकुंठ सागर भी कहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के बाद इसे गोलोक भी कहने लगे। चूंकि श्रीकृष्ण और विष्णु एक ही हैं इसीलिए श्रीकृष्ण के निवास स्थान को भी वैकुंठ कहा जाता है।

पहला वैकुंठ धाम

धरती पर बद्रीनाथ, जगन्नाथ और द्वारिकापुरी को भी वैकुंठ धाम कहा जाता है। चारों धामों में सर्वश्रेष्ठ हिन्दुओं का सबसे पावन तीर्थ बद्रीनाथ, नर और नारायण पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा, अलकनंदा नदी के बाएं तट पर नीलकंठ पर्वत श्रृंखला की पृष्ठभूमि पर स्थित है। भारत के उत्तर में स्थित यह मंदिर भगवान विष्णु का दरबार माना जाता है।

बद्रीनाथ धाम में सनातन धर्म के सर्वश्रेष्ठ आराध्य देव श्री बद्रीनारायण भगवान के 5 स्वरूपों की पूजा-अर्चना होती है। विष्णु के इन 5 रूपों को 'पंच बद्री' के नाम से जाना जाता है। श्री विशाल बद्री, श्री योगध्यान बद्री, श्री भविष्य बद्री, श्री वृद्ध बद्री और श्री आदि बद्री। बद्रीनाथ के अलावा द्वारिका और जगन्नाथपुरी को भी वैकुंठ धाम कहा जाता है। कहते हैं कि सतयुग में बद्रीनाथ धाम की स्थापना नारायण ने की थी। त्रेतायुग में रामेश्वरम की स्थापना स्वयं भगवान श्रीराम ने की थी। द्वापर युग में द्वारिकाधाम की स्थापना योगीश्वर श्रीकृष्ण ने की और कलयुग में जगन्नाथ धाम को ही वैकुंठ कहा जाता है। पुराणों में धरती के बैकुंठ के नाम से अंकित जगन्नाथ पुरी का मंदिर समस्त दुनिया में प्रसिद्ध है। ब्रह्म और स्कंद पुराण के अनुसार पुरी में भगवान विष्णु ने पुरुषोत्तम नीलमाधव के रूप में अवतार लिया था।

दूसरा वैकुंठ धाम

दूसरे वैकुंठ की स्थिति धरती के बाहर बताई गई है। इसे ब्रह्मांड से बाहर और तीनों लोकों से ऊपर बताया गया है। यह धाम दिखाई देने वाली प्रकृति से 3 गुना बड़ा है। इसकी देखरेख के लिए भगवान के 96 करोड़ पार्षद तैनात हैं। हमारी प्रकृति से मुक्त होने वाली हर जीवात्मा इसी परमधाम में शंख, चक्र, गदा और पद्म के साथ प्रविष्ट होती है। वहां से वह जीवात्मा फिर कभी भी वापस नहीं होती। यहां श्रीविष्णु अपनी 4 पटरानियों श्रीदेवी, भूदेवी, नीला और महालक्ष्मी के साथ निवास करते हैं।

इसी वैकुंठ के बारे में कहा जाता है कि मरने के बाद विष्णु भक्त पुण्यात्मा यहां पहुंच जाती है। पुराणों के अनुसार इस वैकुंठ की स्थिति हमारे ब्रह्मांड के परे है। जीवात्मा जब उस वैकुंठ की यात्रा करती है, तो उसको विदा देने के लिए मार्ग में समय के देवता, प्रहर के देवता, दिवस के देवता, रात्रि के देवता, दिन के देवता, ग्रहों के देवता, नक्षत्रों के देवता, माह के देवता, मौसम के देवता, पक्ष के देवता, उत्तरायण के देवता, दक्षिणायन के देवता सभी तलों (अतल, सुतर, पाताल आदि) के देवता, सभी 33 कोटि के देवता पहले उसे पुन: किसी योनि में धकेलने का प्रयास करते हैं या वैकुंठ जाने देने से रोकते हैं। लेकिन जो जीवात्मा प्रभु श्रीविष्णु की शरणागति होता है उसको ये सभी एकपाद विभूति के अंतिम सीमा तक जाते हैं और त्रिपाद विभूति के बाहर प्रवाहित होने वाली विरजा नदी के तट पर छोड़ देते हैं।

इसी एकपाद विभूति में हमारा संपूर्ण ब्रह्मांड और सारे लोक अवस्थित हैं। इस एकपाद विभूति की सीमा के बाद शुरू होता है वैकुंठ धाम। पौराणिक मान्यता है कि इसी वैकुंठ धाम और एकपाद विभूति के मध्य विरजा नामक एक नदी बहती है। इस नदी से ही त्रिपाद विभूति शुरू होती है, जो वैकुंठ लोक है। मुक्त होने वाली जीवात्मा को जब सभी देवता विरजा नदी तक छोड़कर जाते हैं तब वह जीवात्मा नदी में डुबकी लगाकर उस पार चली जाती है। उस पार से पार्षदगण उसको सीधे श्रीहरि विष्णु के पास ले जाते हैं। वहां वह उनके दर्शन करके परम आनंद को प्राप्त करता है। इस प्रकार त्रिपाद विभूति में ही वह जीवात्मा सदा के लिए स्थापित हो जाती है। पुराणों में इस वैकुंठ धाम का बड़ा ही रोचक चित्रण किया गया है।

'हे अर्जुन! अव्यक्त 'अक्षर' इस नाम से कहा गया है, उसी अक्षर नामक अव्यक्त भाव को परमगति कहते हैं तथा जिस सनातन अव्यक्त भाव को प्राप्त होकर मनुष्य वापस नहीं आते, वह मेरा परम धाम है।।' - गीता अध्याय 8, श्लोक 21।।

तीसरा वैकुंठ धाम

भगवान श्रीकृष्ण ने द्वारिका के बाद एक ओर नगर बसाया था जिसे वैकुंठ कहा जाता था। कुछ इतिहासकारों के मुताबिक अरावली की पहाड़ी श्रृंखला पर कहीं वैकुंठ धाम बसाया गया था, जहां इंसान नहीं, सिर्फ साधक ही रहते थे। भारत की भौगोलिक संरचना में अरावली प्राचीनतम पर्वत है। भू-शास्त्र के अनुसार भारत का सबसे प्राचीन पर्वत अरावली का पर्वत है। माना जाता है कि यहीं पर श्रीकृष्ण ने वैकुंठ नगरी बसाई थी। राजस्थान में यह पहाड़ नैऋत्य दिशा से चलता हुआ ईशान दिशा में करीब दिल्ली तक पहुंचा है। अरावली या 'अर्वली' उत्तर भारतीय पर्वतमाला है। राजस्थान राज्य के पूर्वोत्तर क्षेत्र से गुजरती 560 किलोमीटर लंबी इस पर्वतमाला की कुछ चट्टानी पहाड़ियां दिल्ली के दक्षिण हिस्से तक चली गई हैं। अगर गुजरात के किनारे अर्बुद या माउंट आबू का पहाड़ उसका एक सिरा है तो दिल्ली के पास की छोटी-छोटी पहाड़ियां धीरज दूसरा सिरा।

वैकुंठ और परमधाम में अंतर

परमधाम- कहते हैं कि परमधाम में जाने के बाद जीवात्मा सदा के लिए जीवन और मरण के चक्र से मुक्त हो जाती है। यह धाम सबसे ऊपर अर्थात सर्वोच्च है। यहां निरंतर अक्षय सुख की अनुभूति होती रहती है। यह धाम स्वयं प्रकाशित है। यहां न सुख है और न दुख, यहां बस परम आंद ही है।

वैकुंठ धाम - मान्यता है कि इस धाम में जीवात्मा कुछ काल के लिए आनंद और सुख को प्राप्त करती है, लेकिन सुख भोगने के बाद उसे पुन: मृत्युलोक में आना होता है। इस स्थान को स्वर्ग से ऊपर बताया गया है। वैकुंठ के ऊपर कैलाश पर्वत है। वैकुंठ को सूर्य और चन्द्र प्रकाशित करते हैं। यहां गौर करें तो यह विष्णु का बद्रीनाथ धाम हो सकता है। हिन्दू धर्म के अनुसार भगवान श्रीविष्णु के धाम को वैकुंठ धाम कहा जाता है। आपने चार धामों के नाम तो सुने ही होंगे- बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम। इसमें से बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु का धाम है। मान्यता के अनुसार इसे भी वैकुंठ कहा जाता है। यह जगतपालक भगवान विष्णु का वास होकर पुण्य, सुख और शांति का लोक है।

'हे अर्जुन! जिस परम पद को प्राप्त होकर मनुष्य लौटकर संसार में नहीं आते, उस स्वयं प्रकाश परम पद को न सूर्य प्रकाशित कर सकता है, न चन्द्रमा और न अग्नि ही, वही मेरा परम धाम है।।' - गीता अध्याय 15, श्लोक 6।।

'हे अर्जुन! ब्रह्मलोक सहित सभी लोक पुनरावर्ती हैं, परंतु हे कुंतीपुत्र! मुझको प्राप्त होकर पुनर्जन्म नहीं होता, क्योंकि मैं कालातीत हूं और ये सब ब्रह्मादि के लोक काल द्वारा सीमित होने से अनित्य हैं।।' - गीता अध्याय 8, श्लोक 16।।

प्रभु श्रीराम के धनुष कोदंड की खासियत

कोदंड : एक बार समुद्र पार करने का जब कोई मार्ग नहीं समझ में आया तो भगवान श्रीराम ने समुद्र को अपने तीर से सुखाने की सोची और उन्होंने तरकश से अपना तीर निकाला ही था और प्रत्यंचा पर चढ़ाया ही था कि समुद्र के देवता वरुणदेव प्रकट हो गए और उनसे प्रार्थना करने लगे थे। बहुत अनुनय-विनय के बाद राम ने अपना तीर तरकश में रख लिया। भगवान श्रीराम को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर माना जाता है। हालांकि उन्होंने अपने धनुष और बाण का उपयोग बहुत मुश्किल वक्त में ही किया। उनके धनुष बाण को कोदंड कहा जाता था।

देखि राम रिपु दल चलि आवा।
बिहसी कठिन कोदण्ड चढ़ावा।।

अर्थात शत्रुओं की सेना को निकट आते देखकर श्रीरामचंद्रजी ने हंसकर कठिन धनुष कोदंड को चढ़ाया।

बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि भगवान राम के धनुष का नाम कोदंड था इसीलिए प्रभु श्रीराम को कोदंड कहा जाता था। कोदंड का अर्थ होता है बांस से निर्मित। कोदंड एक चमत्कारिक धनुष था जिसे हर कोई धारण नहीं कर सकता था। कोदंड नाम से भिलाई में एक राम मंदिर भी है जिसे 'कोदंड रामालयम मंदिर' कहा जाता है। भगवान श्रीराम ने दंडकारण्य में 10 वर्ष से अधिक समय तक भील, वनवासी और आदिवासियों के बीच रहकर उनकी सेवा की थी।

कोदंड की खासियत : कोदंड एक ऐसा धनुष था जिसका छोड़ा गया बाण लक्ष्य को भेदकर ही वापस आता था। एक बार की बात है कि देवराज इन्द्र के पुत्र जयंत ने श्रीराम की शक्ति को चुनौती देने के उद्देश्य से अहंकारवश कौवे का रूप धारण किया और सीताजी को पैर में चोंच मारकर लहू बहाकर भागने लगा। तुलसीदासजी लिखते हैं कि जैसे मंदबुद्धि चींटी समुद्र की थाह पाना चाहती हो उसी प्रकार से उसका अहंकार बढ़ गया था और इस अहंकार के कारण वह-

।।सीता चरण चोंच हतिभागा।
मूढ़ मंद मति कारन कागा।।
।।चला रुधिर रघुनायक जाना।
सींक धनुष सायक संधाना।।

वह मूढ़ मंदबुद्धि जयंत कौवे के रूप में सीताजी के चरणों में चोंच मारकर भाग गया। जब रक्त बह चला तो रघुनाथजी ने जाना और धनुष पर तीर चढ़ाकर संधान किया। अब तो जयंत जान बचाने के लिए भागने लगा। वह अपना असली रूप धरकर पिता इन्द्र के पास गया, पर इन्द्र ने भी उसे श्रीराम का विरोधी जानकर अपने पास नहीं रखा। तब उसके हृदय में निराशा से भय उत्पन्न हो गया और वह भयभीत होकर भागता फिरा, लेकिन किसी ने भी उसको शरण नहीं दी, क्योंकि रामजी के द्रोही को कौन हाथ लगाए? जब नारदजी ने जयंत को भयभीत और व्याकुल देखा तो उन्होंने कहा कि अब तो तुम्हें प्रभु श्रीराम ही बचा सकते हैं। उन्हीं की शरण में जाओ। तब जयंत ने पुकारकर कहा- 'हे शरणागत के हितकारी, मेरी रक्षा कीजिए प्रभु श्रीराम।

सररफा एमसीएक्स समीक्षा: वैवाहिक मांग आने से पिछले सप्ताह मजबूत हुआ सोना

मुंबई: विदेशों में दोनों कीमती धातुओं में रही गिरावट के बीच घरेलू स्तर पर वैवाहिक मांग आने से सोना लगातार तीसरे सप्ताह मजबूत हुआ जबकि चांदी में गिरावट रही। एमसीएक्स वायदा बाजार में सोने की कीमत सप्ताह के दौरान 478 रुपए चढ़कर 49,020 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गई। सोना मिनी भी 247 रुपए की साप्ताहिक तेजी के साथ अंतिम कारोबारी दिवस पर 48,790 रुपए प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ। कई राज्य सरकारों द्वारा प्रतिबंधों में नरमी से सोने की रुकी हुई वैवाहिक मांग आनी शुरू हो गई है। इससे विदेशों में गिरावट के बावजूद घरेलू स्तर पर इनके दाम बढ़ रहे हैं। वैश्विक स्तर पर बीते सप्ताह सोना हाजिर 13.10 डॉलर लुढ़ककर 1,891.40 डॉलर प्रति औंस रह गया। अगस्त का अमेरिकी सोना वायदा भी 12.20 डॉलर की बढ़त के साथ शुक्रवार को 1,894.10 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ। घरेलू स्तर पर चांदी समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 68 रुपए कमजोर हुई और सप्ताहांत पर 71,543 रुपए प्रति किलोग्राम बिकी। चांदी मिनी की कीमत 65 रुपए फिसलकर 71,585 रुपए प्रति किलोग्राम रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी हाजिर 0.12 डॉलर की साप्ताहिक गिरावट के साथ 27.81 डॉलर प्रति औंस पर रही।

नीति आयोग ने कहा- कृषि क्षेत्र को प्रभावित नहीं करेगी कोरोना की दूसरी लहर

बिजनेस डेस्क: नीति आयोग के सदस्य (कृषि) रमेश चंद का मानना है कि कोविड-19 की दूसरी लहर से देश के कृषि क्षेत्र पर किसी तरह का कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण इलाकों में संक्रमण मई में फैला है, उस समय कृषि से संबंधित गतिविधियां बहुत कम होती हैं। चंद ने कहा कि अभी सब्सिडी, मूल्य और प्रौद्योगिकी पर भारत की नीति बहुत ज्यादा चावल, गेहूं और गन्ने के पक्ष में झुकी हुई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश में खरीद और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर नीतियों को दलहनों के पक्ष में बनाया जाना चाहिए। नीति आयोग के सदस्य ने कहा, ÷ग्रामीण इलाकों में कोविड-19 संक्रमण मई में फैलना शुरू हुआ था। मई में कृषि गतिविधियां काफी सीमित रहती हैं। विशेष रूप से कृषि जमीन से जुड़ी गतिविधियां। उन्होंने कहा कि मई में किसी फसल की बुवाई और कटाई नहीं होती। सिर्फ कुछ सब्जियों तथा 'ऑफ सीजन' फसलों की खेती होती है। चंद ने कहा कि मार्च के महीने या अप्रैल के मध्य तक कृषि गतिविधियां चरम पर होती हैं। उसके बाद इनमें कमी आती है। मानसून के आगमन के साथ ये गतिविधियां फिर जोर पकड़ती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में यदि मई से जून के मध्य तक श्रमिकों की उपलब्धता कम भी रहती है, तो इससे कृषि क्षेत्र पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला। यह पूछे जाने पर कि भारत अभी तक दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर क्यों नहीं बन पाया है, चंद ने कहा कि सिंचाई के तहत दलहन क्षेत्र बढ़ाने की जरूरत है। इससे उत्पादन और मूल्य स्थिरता के मोर्चे पर काफी बदलाव आएगा। उन्होंने कहा, भारत में हमारी सब्सिडी नीति, मूल्य नीति और प्रौद्योगिकी नीति बहुत ज्यादा चावल और गेहूं तथा गन्ने के पक्ष में झुकी हुई है। ऐसे में मेरा मानना है कि हमें अपनी खरीद तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) नीति को दलहनों के अनुकूल बनाने की जरूरत है। कृषि क्षेत्र की वृद्धि के बारे में चंद ने कहा कि 2021-22 में क्षेत्र की वृद्धि दर तीन प्रतिशत से अधिक रहेगी। बीते वित्त वर्ष में कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 3.6 प्रतिशत रही थी। वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.3 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

कोविड-19 संक्रमण, टीकाकरण की रफ्तार से तय होगी शेयर बाजारों की दिशा

नई दिल्ली: कोविड-19 संक्रमण के रुख, टीकाकरण की रफ्तार और वैश्विक कारक इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताते हुए कहा कि इसके अलावा घरेलू मोर्चे पर ऐसा कोई घटनाक्रम नहीं है, जिससे बाजार दिशा ले सकें। रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा, ''सप्ताह के दौरान बाजार भागीदारों की निगाह मानसून की प्रगति पर रहेगी। साथ ही 11 जून को औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े आने हैं। संक्रमण के मामलों में कमी के मद्देनजर बाजार राज्यों द्वारा अंकुशों में और ढील की उम्मीद कर रहा है। सप्ताह के दौरान बाटा इंडिया, गेल, सेल, भेल और डीएलएफ जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आने हैं। औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े शुक्रवार को कारोबार बंद होने के बाद आएंगे। इसके अलावा सप्ताह के दौरान यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, पेट्रोनेट एलएनजी और एनएचपीसी के तिमाही परिणाम भी आने हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''कोविड-19 के मामलों में कमी के चलते बाजार लघु से मध्यम अवधि में अपनी जुझारू क्षमता को कायम रखेगा। अप्रैल माह के विनिर्माण और औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े इसी सप्ताह आने हैं। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 677.17 अंक या 1.31 प्रतिशत के लाभ में रहा। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, निकट भविष्य में निवेशकों की निगाह संक्रमण के मामलों और टीकाकरण की रफ्तार पर रहेगी। सैमको सिक्योरिटीज की इक्विटी शोध प्रमुख निराली शाह ने कहा, भारतीय बाजार वैश्विक स्तर पर जिंसों और शेयरों के उतार-चढ़ाव के अनुरूप प्रदर्शन करेंगे। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा कच्चे तेल के दाम, रुपए का उतार-चढ़ाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश का रुख भी बाजार की दिशा तय करेगा।

डीएचएफएल घाटे से उबरी, जनवरी-मार्च तिमाही में 97 करोड़ रुपए का मुनाफा

बिजनेस डेस्क:
दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉरपोरेशन (डीएचएफएल) ने बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 96.75 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया है। कॉरपोरेट दिवाला प्रक्रिया के तहत चल रही कंपनी डीएचएफएल को इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 7,507.01 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ था। दिसंबर तिमाही में कंपनी को 13,095.38 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। पूरे वित्त वर्ष 2020-21 में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी को 15,051.17 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा हुआ है। इससे पिछले वित्त वर्ष में घाटा 13,455.81 करोड़ रुपए था। बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में कंपनी की एकीकृत कुल आय घटकर 2,060.57 करोड़ रुपए रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,160.98 करोड़ रुपए रही थी। इस समय कंपनी का संचालन भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से नियुक्त एक प्रशासक के हाथ है। यह पहली गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी कंपनी है जिसके दिवालियेपन का समाधान करने के लिए इसका मामला राष्ट्रीय कंपनी विधि ट्राइब्यूनल (एनसीएलटी) के समक्ष भेजा है।

न्यूनतम 15 प्रतिशत के कॉरपोरेट कर करार से भारत को फायदा होगा: कर विशेषज्ञ

नई दिल्ली:
वैश्विक स्तर पर न्यूनतम कॉरपोरेट कर की दर को 15 प्रतिशत पर रखने के करार से भारत को फायदा होगा। दुनिया के अमीर देशों के बीच शनिवार को इस आशय का समझौता हुआ है। कर विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में घरेलू कर की प्रभावी दर इस सीमा से ऊंची है। इससे भारत निवेश आकर्षित करता रहेगा। जी-7 देशों अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, कनाडा, इटली और जापान ने शनिवार को बहुराष्ट्रीय कंपनियों पर कराधान को लेकर ऐतिहासिक समझौता किया है। इसके तहत न्यूनतम वैश्विक कर की दर कम से कम 15 प्रतिशत रहेगी। नागिया एंडरसन इंडिया के चेयरमैन राकेश नागिया ने कहा कि जी-7 का वैश्विक न्यूनतम कर की दर को 15 प्रतिशत पर रखने के फैसले से अमेरिका और पश्चिमी यूरोप के ज्यादातर देशों को फायदा होगा। हालांकि, कुछ निचले कर वाले यूरोपीय देश मसलन नीदरलैंड, आयरलैंड और लक्जमबर्ग और कुछ कैरिबियाई देश बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आकर्षित करने के लिए कर की दर पर निर्भर करते हैं। परामर्शक कंपनी एकेएम ग्लोबल के कर भागीदार अमित माहेश्वरी ने कहा कि भारत को इस फैसले से फायदा होगा क्योंकि यह प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए एक बड़ा बाजार है। ईवाई इंडिया के नेशनल टैक्स लीडर सुधीर कपाड़िया ने कहा कि वैश्विक कॉरपोरेट कर करार ऐतिहासिक है। विशेषरूप से इससे भारत जैसे बड़े और विकासशील देश को फायदा होगा। भारत के लिए हमेशा से देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए कॉरपोरेट कर की दर को कृत्रिम रूप से निचले स्तर पर रखना मुश्किल होता था। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) के महासचिव मैथायस कॉरमैन ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि जी-7 के वित्त मंत्रियों के बीच सहमति विशेषरूप से वैश्विक कराधान के न्यूनतम स्तर पर करार एक ऐतिहासिक कदम है। इससे आगे अंतरराष्ट्रीय कर प्रणाली में सुधार में मदद मिलेगी।

सस्टेनेबल डेवलपमेंट रैंकिंग में दो पायदान फिसला भारत

नई दिल्ली:
संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों की ओर से 2015 में 2030 एजेंडा के रूप में अपनाए गए 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर पिछले साल की तुलना में दो पायदान फिसलकर भारत 117 वे स्थान पर आ गया है। एक नयी रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। 'भारत में पर्यावरण की स्थिति रिपोर्ट 2021% में सामने आया कि पिछले साल भारत का स्थान 115 था और अब वह दो स्थान और नीचे चला गया है। ऐसा मुख्यतः इसलिए हुआ है कि भुखमरी समाप्त करने और खाद्य सुरक्षा हासिल करने (एसडीजी2), लैंगिक समानता हासिल करने (एसडीजी पांच) और लचीली अवसंरचना का निर्माण, समावेशी एवं सतत औद्योगिकीकरण तथा नवोन्मेष को बढ़ावा देना (एसडीजी नौ) जैसी बड़ी चुनौतियां अब भी देश के सामने हैं। इसमें बताया गया कि भारत का स्थान चार दक्षिण एशियाई देशों - भूटान, नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश से नीचे है। भारत का कुल एसडीजी स्कोर 100 में से 61.9 है। राज्यवार तैयारियों के बारे में विस्तार से बताते हुए समाचार रिपोर्ट में कहा गया कि झारखंड और बिहार 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सबसे कम तैयार हैं। झारखंड पांच लक्ष्यों में पीछे है जबकि बिहार सात में। इसमें कहा गया कि जो राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश अच्छे स्कोर के साथ इन लक्ष्यों को पाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं वे हैं- केरल, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़। सतत विकास के लिए 2030 के एजेंडा को संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों ने 2015 में स्वीकार किया था, जो लोगों और धरती के लिए अभी और भविष्य के लिये शांति एवं समृद्धि की रूप-रेखा उपलब्ध कराता है। सभी देशों- विकसित एवं विकासशील- को जिन दिशाओं में वैश्विक साझेदारी के साथ तत्काल काम करने की जरूरत है, ऐसे 17 लक्ष्य हैं। इनमें गरीबी और भुखमरी खत्म करना, अच्छी सेहत एवं आरोग्य, अच्छी शिक्षा, लैंगिक समानता, साफ पानी एवं स्वच्छता, किफायती एवं स्वच्छ ऊर्जा, अच्छा कार्य एवं आर्थिक विकास, उद्योग, नवोन्मेष एवं अवसंरचना शामिल है। इसके अलावा असमानता घटाना, स्थायी शहर एवं समुदाय, जिम्मेदार उपभोग एवं उत्पादन, जलवायु कार्रवाई, जल के नीचे जीवन, भूमि पर जीवन, शांति, न्याय एवं मजबूत संस्थान और अंतिम में लक्ष्यों के लिए वैश्विक साझेदारी को ठोस करना भी है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि भारत पर्यावरणीय प्रदर्शन सूचकांक के लिहाज से 180 देशों में से 168वें स्थान पर है। यह पर्यावरणीय सेहत, जलवायु, वायु प्रदूषण, स्वच्छता एवं पेयजल, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं, जैव विविधता आदि जैसे विभिन्न कारकों के आधार पर तय किया जाता है।

इन कंपनियों का मार्केट कैप 1.15 लाख करोड़ रुपए बढ़ा, रिलायंस को हुआ सबसे अधिक लाभ

बिजनेस डेस्क:
सेंसेक्स की शीर्ष 10 में सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 1,15,898.82 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 677.17 अंक या 1.31 प्रतिशत के लाभ में रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस और कोटक महिंद्रा बैंक के बाजार मूल्यांकन में इजाफा हुआ। वहीं दूसरी ओर टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस और आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 60,668.47 करोड़ रुपए बढ़कर 13,88,718.41 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 23,178.02 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 3,61,767.29 करोड़ रुपए रहा। इसी तरह एचडीएफसी की बाजार हैसियत 14,521.98 करोड़ रुपए बढ़कर 4,72,940.60 करोड़ रुपए पर और भारतीय स्टेट बैंक की 10,307.93 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 3,86,971.16 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 4,428.97 करोड़ रुपए बढ़कर 5,50,191.47 करोड़ रुपए रहा। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक का मूल्यांकन 2,002.21 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 3,58,851.88 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। सप्ताह के दौरान एचडीएफसी बैंक ने 791.24 करोड़ रुपए जोड़े और उसकी बाजार हैसियत 8,28,341.24 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस रुख के उलट इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 8,351.83 करोड़ रुपए घटकर 5,90,252.27 करोड़ रुपए और टीसीएस का 351.41 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 11,62,667.33 करोड़ रुपए रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में 208.16 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 4,44,963.18 करोड़ रुपए पर आ गया। बीते सप्ताह शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस और कोटक महिंद्रा बैंक का स्थान रहा।

निर्मला सीतारमण ने बीमा कम्पनियों के प्रमुखों से दावों का तेजी से निपटान करने को कहा

नई दिल्ली: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोविड-19 से लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे स्वास्थ्य कर्मियों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज (पी.एम.जी.के.पी.) की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बीमा कम्पनियों से प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पी.एम.जे.जे.बी.वाई.) के तहत के दावों का तेजी से निपटान करने को कहा। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बीमा कम्पनियों के प्रमुखों के साथ वर्चुअल बैठक में वित्त मंत्री ने इन योजनाओं के तहत जरूरी दस्तावेजीकरण की प्रक्रिया को तर्कसंगत बनाने पर जोर दिया जिससे दावों का निपटान तेजी से किया जा सके। सीतारमण ने कहा कि पी.एम.जी.के.पी. योजना के तहत अब तक 419 दावों का निपटान किया गया है और नामितों के खातों में 209.5 करोड़ रुपए डाले गए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि राज्यों द्वारा दस्तावेज भेजने में देरी के मुद्दे के हल को एक नई प्रणाली तय की गई है। इसके तहत जिला मैजिस्ट्रेट द्वारा एक सामान्य प्रमाणपत्र तथा नोडल राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा इसकी पुष्टि दावों के निपटान के लिए पर्याप्त होगी। सीतारमण ने न्यू इंडिया एश्योरेंस कम्पनी के प्रयासों की सराहना की। इस योजना प्रबंधन की जिम्मेदारी इसी कम्पनी की है।

एक बार फिर विवादों में ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन, कर्नाटक के झंडे की 'बिकनी' को लेकर मचा बवाल

नेशनल डेस्क:

ई-वाणिज्य कंपनी अमेज़न की कनाडा वेबसाइट पर उपयोगकर्ताओं द्वारा कर्नाटक के झंडे के रंग और राज्य चिन्ह वाली 'बिकनी', बिक्री के लिए उपलब्ध होने का दावा करने के बाद राज्य के कन्नड़ और संस्कृति मंत्री अरविंद लिम्बावली ने कहा है कि सरकार कानूनी कार्रवाई करेगी। इसे कन्नड़ लोगों के स्वाभिमान का मामला बताते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार ऐसी चीजों को बर्दाश्त नहीं करेगी और अमेज़न कनाडा से माफी मांगने को कहा। इससे कुछ समय पहले ही लोगों का गूगल के खिलाफ गुस्सा फूटा था, क्योंकि गूगल पर कन्नड़ को भारत की ''सबसे खराब भाषा'' बताया जा रहा था। लिम्बावली ने कहा है, ÷हमने हाल ही में गूगल द्वारा कन्नड़ के अपमान का सामना किया है। जख्म भरने से पहले ही, हमने पाया कि अमेज़न कनाडा, कन्नड़ ध्वज के रंग और प्रतीक चिन्ह का महिलाओं के वस्त्रों पर इस्तेमाल कर रहा है।' उन्होंने शनिवार को ट्वीट किया, ''बहुराष्ट्रीय कंपनियां कन्नड़ का बार-बार अपमान बंद करें। यह कन्नडिगों के स्वाभिमान का मामला है और हम ऐसी घटनाओं में वृद्धि को बर्दाश्त नहीं करेंगे।' मंत्री ने कहा, 'अमेज़न कनाडा को कन्नडिगों से माफी मांगनी चाहिए। अमेज़न कनाडा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।' गूगल के मामले को लेकर भी मंत्री ने कानूनी कार्रवाई करने को कहा था लेकिन कंपनी द्वारा माफी मांगने के बाद उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसे सरकार का अपमान बताते हुए जद (एस) नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने सरकार से अमेज़न के खिलाफ कार्रवाई की संभावनाओं पर गौर करने को कहा है। साथ में यह भी कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकना जरूरी है। उन्होंने भी मांग कि अमेज़न कन्नडिगों से माफी मांगे। 'बिकनी' पर कर्नाटक के गैर आधिकारिक राज्य झंडे का पीला और लाल रंग है तथा राज्य का प्रतीक चिन्ह 'गंडभेरुंड' बना हुआ है। हालांकि हंगामे के बाद अमेज़न ने इसे कनाडा की अपनी वेबसाइट से हटा लिया है। अमेज़न की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

एफपीआई ने सिर्फ चार सत्रों में भारतीय शेयर बाजारों में 8,000 करोड़ रुपए डाले

नई दिल्ली:

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून में सिर्फ चार कारोबारी सत्रों में भारतीय शेयर बाजारों में 8,000 करोड़ रुपए डाले हैं। कोविड-19 के नए मामलों में कमी तथा कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों के बाद भारतीय बाजारों के प्रति विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले मई में एफपीआई ने 2,954 करोड़ रुपए और अप्रैल में 9,659 करोड़ रुपए की निकासी की थी। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ÷आगे चलकर कोरोना वायरस के मोर्चे पर परिदृश्य में सुधार और टीकाकरण अभियान तेज होने से एफपीआई का निवेश और बढ़ने की उम्मीद है। आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने एक से चार जून के दौरान भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से 7,968 करोड़ रुपए का निवेश किया। अप्रैल में निकासी से पहले एफपीआई भारतीय शेयरों में लगातार निवेश कर रहे थे। अक्टूबर, 2020 से मार्च, 2021 के दौरान उन्होंने शेयरों में 1.97 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया था। इसमें से 55,741 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश चालू चाल के पहले तीन माह में हुआ है। ग्रो के सह-संस्थापक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) हर्ष जैन ने कहा, ÷कोविड-19 संक्रमण में लगातार कमी के बाद अब विदेशी निवेशक भारतीय अर्थव्यवस्था में निवेश को लेकर अधिक आशान्वित नजर आ रहे हैं।

जल्द लागू होंगे नए श्रम कानून: घट जाएगी आपकी टेक होम सैलरी, बढ़ेगा पीएफ

बिजनेस डेस्क:

आगामी कुछ माह में चारों श्रम संहिताएं लागू हो जाएंगी। केंद्र सरकार इन कानूनों के क्रियान्वयन पर आगे बढ़ने की तैयारी कर रही है। ये कानून लागू होने के बाद कर्मचारियों के हाथ में आने वाला वेतन (टेक होम) घट जाएगा, वहीं साथ ही कंपनियों की भविष्य निधि (पीएफ) की देनदारी बढ़ जाएगी। वेतन संहिता लागू होने के बाद कर्मचारियों के मूल वेतन और भविष्य निधि की गणना के तरीके में उल्लेखनीय बदलाव आएगा। श्रम मंत्रालय इन चार संहिताओं औद्योगिक संबंध, वेतन, सामाजिक सुरक्षा, व्यावसायिक और स्वास्थ्य सुरक्षा तथा कार्यस्थिति को एक अप्रैल, 2021 से लागू करना चाहता था। इन चार श्रम संहिताओं से 44 केंद्रीय श्रम कानूनों को सुसंगत किया जा सकेगा। मंत्रालय ने इन चार संहिताओं के तहत नियमों को अंतिम रूप भी दे दिया था लेकिन इनका क्रियान्वयन नहीं हो सका, क्योंकि कई राज्य अपने यहां संहिताओं के तहत इन नियमों को अधिसूचित करने की स्थिति में नहीं थे। भारत के संविधान के तहत श्रम समवर्ती विषय है। ऐसे में इन चार संहिताओं के तहत केंद्र और राज्यों दोनों को इन नियमों को अधिसूचित करना होगा, तभी संबंधित राज्यों में ये कानून अस्तित्व में आएंगे। एक सूत्र ने कहा, ''कई प्रमुख राज्यों ने इन चार संहिताओं के तहत नियमों को अंतिम रूप नहीं दिया है। कुछ राज्य इन कानूनों के क्रियान्वयन के लिए नियमों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं।केंद्र सरकार हमेशा इस बात का इंतजार नहीं कर सकती कि राज्य इन नियमों को अंतिम रूप दें। ऐसे में सरकार की योजना एक-दो माह में इन कानूनों के क्रियान्वयन की है क्योंकि कंपनियों और प्रतिष्ठानों को नए कानूनों से तालमेल बैठाने के लिए कुछ समय देना होगा। सूत्र ने बताया कि कुछ राज्यों ने नियमों का मसौदा पहले ही जारी कर दिया है। इन राज्यों में उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, हरियाणा, ओडिशा, पंजाब, गुजरात, कर्नाटक और उत्तराखंड शामिल हैं। नई वेतन संहिता के तहत भत्तों को 50 प्रतिशत पर सीमित रखा जाएगा। इसका मतलब है कि कर्मचारियों के कुल वेतन का 50 प्रतिशत मूल वेतन होगा। भविष्य निधि की गणना मूल वेतन के प्रतिशत के आधार पर की जाती है। इसमें मूल वेतन और महंगाई भत्ता शामिल रहता है। अभी नियोक्ता वेतन को कई तरह के भत्तों में बांट देते हैं।

इमामी ने उत्पादों के दाम 4त्न बढ़ाए, खोज परियोजना भी शुरू

कोलकाता:

दैनिक उपयोग के समान बनाने वाली कंपनी इमामी लिमिटेड ने अपने उत्पादों के दाम मौजूदा वित्त वर्ष में 4 प्रतिशत बढ़ा दिए है। कंपनी ने यह निर्णय वर्तमान लागत को कम करने के लिए लिया है, ताकि उसे कुल 66-67 प्रतिशत लाभ को बनाए रखने में मदद मिल सके। इमामी के निदेशक मोहन गोयनका ने कहा, ''उत्तर प्रदेश में लॉकडाउन में छूट के साथ कंपनी की लंबी समय से रुकी हुई अपनी 'खोज' परियोजना को शुरू कर दिया गया है।

इसका उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में पैठ बढ़ा है ताकि कारोबार में लाभ की गति बनी रहे। यह परियोजना पिछले वर्ष कोविड-19 के प्रभाव के कारण बाधित हो गई थी। उन्होंने कहा, ÷हमने अपने उत्पादों की कीमतों में चार प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। इससे हम मौजूदा लागत का दबाव संभाल सकेंगे। हम आगे नयी स्थिति के अनुसार निर्णय लेंगे। उन्होंने कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी कर लेने के बाद हमें फिलहाल अपने सकल लाभ और परिचालन लाभ पर कोई दबाव नहीं दिख रहा है। कंपनी ने दर्द निवारक और गर्मियों में इस्तेमाल किए जाने वाले उत्पादों के दामों में वृद्धि की है। उन्होंने कहा, ÷खोज परियोजना ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ी योजना है। इसे 13 राज्यों में तीन हजार गावों को लक्षित कर लागू किया जाएगा। हालांकि शुरू में केवल चार राज्यों में इसकी शुरुआत करेंगे। लॉकडाउन में छूट के साथ हमने यह प्रक्रिया शुरू भी कर दी है। कंपनी खोज परियोजना के पहले चरण के रूप में उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में अपने उत्पाद उतारेगी। साथ ही कंपनी बिक्री तेज करने के लिए विपणन के चार क्षेत्र ई-कॉमर्स, अकेले चलाए जाने वाली आधुनिक दुकानों, दवाओं की दुकानों और खोज परियोजना के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करेगी।

मेलबर्न क्लब की टीम मुलग्रेव का मुख्य कोच बने जयसूर्या

कोलंबो। श्रीलंका के दिग्गज सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या को मेलबर्न क्लब की टीम मुलग्रेव का मुख्य कोच बनाया गया है। 2021-22 सीजन के लिए टीम का मुख्य कोच नियुक्त किए गए जयसूर्या का कार्यकाल एक साल का होगा। जयसूर्या के साथ उनके पूर्व टीम साथी तिलकरत्ने दिलशान और उपुल तरंगा विक्टोरिया ईस्टर्न क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़े इस क्लब के साथ बतौर खिलाड़ी जुड़े हैं और अब जयसूर्या अपने साथ खेले इन दोनों खिलाड़ियों को कोचिंग देंगे। मुलग्रेव क्लब ने फेसबुक पोस्ट में लिखा, हम जयसूर्या को अपने साथ जोड़कर काफी रोमांचित महसूस कर रहे हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि जयसूर्या क्लब के सीनियर और युवा खिलाड़ियों को अहम मार्गदर्शन देंगे। 42 अंतर्राष्ट्रीय शतक अपने नाम रखने वाले जयसूर्या 1996 विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे और उन्होंने श्रीलंका को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। मुलग्रेव क्लब के अध्यक्ष मालिन पुलेनयेगम ने कहा, जयसूर्या के साथ खेलने वाले तिलकरत्ने दिलशान ने उन्हें क्लब के साथ जोड़ने में हमारी काफी मदद की है। हम बीते कुछ वक्त से दिलशान के जरिए जयसूर्या के संपर्क में थे। उनसे लीजेंड सीरीज के दौरान बातचीत शुरू हुई थी। इसमें दिलशान ने काफी सहयोग किया था।

अभ्यास की कमी कोहली, रोहित जैसे बड़े खिलाड़ियों को भी परेशान कर सकती है- वेंगसरकर

मुंबई ।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल से पहले मैच अभ्यास में कमी विराट कोहली के लिए बड़ी चिंता की बात नहीं है, लेकिन पूर्व दिग्गज खिलाड़ी दिलीप वेंगसरकर का मानना है कि इससे भारतीय कप्तान को 'परेशानी' का सामना करना पड़ सकता है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 जून से खेले जाने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल के लिए कोहली की अगुवाई में भारतीय टीम गुरुवार को इंग्लैंड पहुंचने के बाद साउथम्पटन में तीन दिनों के कड़े पृथकवास पर है। न्यूजीलैंड की टीम डब्ल्यूटीसी से पहले इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेल रही है। भारत के लिए 116 टेस्ट खेलने वाले वेंगसरकर ने कहा कि कोहली और रोहित बहुत अच्छी लय में हैं लेकिन प्रतिस्पर्धी मैचों की कमी के कारण दौरे की शुरुआत में डब्ल्यूटीसी फाइनल में उनका प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। वेंगसरकर ने कहा कि वह (कोहली) लंबे समय से टीम के साथ है और मौजूदा दौर में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक है। कोहली और रोहित विश्वस्तरीय खिलाड़ी है और उन्हें अपने प्रदर्शन और भारत की जीत पर गर्व होता होगा। चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष रहे वेंगसरकर से जब इस मुकाबले के लिए कोहली की अहमियत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अच्छी बात यह है कि दोनों शानदार लय में है। मुझे लगता है कि मैच अभ्यास की कमी उनके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकती हैं। मुझे लगता है कि कम से कम दौरे के शुरुआती टेस्ट में ऐसा हो सकता है। उनका मानना है कि न्यूजीलैंड की टीम फायदे में होगी क्योंकि वह पहले से ही वहां खेल रही है। वेंगसरकर ने कहा कि भारत एक बेहतर टीम है और शानदार लय में है। न्यूजीलैंड के साथ फायदे की बात यह है कि उनकी टीम ज्यादा सुर्खियों में नहीं रहती है और इस मुकाबले (विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल) से पहले उन्हें दो टेस्ट मैच खेलने को मिल रहे हैं। यह ध्यान देने वाली बात है कि न्यूजीलैंड की टीम थोड़े

फायदे में है। वे यह मुकाबला (डब्ल्यूटीसी फाइनल के) शुरू होने से पहले ही दो टेस्ट मैच खेलेंगे हैं जिससे परिस्थितियों से सामंजस्य बैठा सकेंगे।वेंगसरकर ने कहा कि मैं मानता हूं कि भारतीय टीम को इस टेस्ट (डब्ल्यूटीसी फाइनल) से पहले दो-तीन मैच खेलने चाहिए थे ताकि परिस्थितियों के मुताबिक खुद को ढाल सकें। बल्लेबाजों की तरह गेंदबाजों को भी मैच अभ्यास की जरूरत है। बल्लेबाजों के साथ-साथ गेंदबाजों के लिए भी मैच खेलने और मैदान में समय बिताने की सलाह दी जाती है।

आप भले ही नेट अभ्यास करते हो और मैच की परिस्थितियों के बारे में जानते हो लेकिन मैदान पर मैच खेल कर समय बिताने से हमेशा फायदा होता है, अब चाहे यह अभ्यास मैच ही क्यों ना हो।

सुपरबेट क्लासिक शतरंज 2021 - अनिर्णीत रहा पहला राउंड

बुकारेस्ट , रोमानिया (निकलेश जैन) पिछले वर्ष कोविड के चलते रद्द हुए ग्रांड चैस टूर की ऑन द बोर्ड पर वापसी हो गयी है और रोमानिया की राजधानी बूकारेस्ट में सुपरबेट चैस क्लासिक सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट का शुभारंभ हो गया । विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन की अनुपस्थिति मे विश्व नंबर 2 यूएसए के फबियानों करूआना प्रतियोगिता के टॉप सीड खिलाड़ी है और पहले राउंड मे उनके और अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव के बीच हुए मुक़ाबले मे पूर्व विश्व चैम्पियन गैरी कास्पारोव ने पहली चाल चलकर प्रतियोगिता का उदघाटन किया हालांकि दोनों के बीच हुआ यह मुक़ाबला बिना किसी जीत हार के 18 चालों मे ड्रॉ हो गया । पहले दिन हुए सभी मुक़ाबले अनिर्णीत रहे । हालांकि सबका ध्यान खीचा मेजबान रोमानिया के 19 वर्षीय ग्रांड मास्टर बोगदान डेनियल डेक ने जिन्होने विश्व नंबर 4 नीदरलैंड के अनीश गिरि को ड्रॉ पर रोका , मेजबान देश के लिए एक और अच्छा परिणाम आया और शीर्ष रोमानियन ग्रांड मास्टर कोंस्टाइनटिन ने विश्व नंबर चार यूएसए के लेवोन आरोनियन को ड्रॉ पर रोका । अन्य दो परिणामों मे यूएसए के वेसली सो ने अजरबैजान के ममेद्यारोव से तो रूस के अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक ने फ्रांस के मकसीम लागरेव से मुकाबला ड्रॉ खेला । प्रतियोगिता में विश्व के टॉप 10 में शामिल 7 खिलाड़ियों के खेलने से आप इसके स्तर का अंदाजा लगा सकते । कुल 10 खिलाड़ियों के बीच इस टूर्नामेंट मे राउंड रॉबिन आधार पर 9 राउंड खेले जाएँगे ।

फ्रेंच ओपन : जर्मनी के डोमिनिक कॉपफेर को हराकर प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंचे फेडरर

पेरिस।

पूर्व नंबर एक और आठवीं सीड स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर ने जर्मनी के डोमिनिक कॉपफेर को कड़े मुकाबले में चार सेटों 7-6(5), 6-7(3), 7-6(4), 7-5 में हराकर वर्ष के दूसरे ग्रैंड सलेम फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। फेडरर ने यह मुकाबला जीतने में तीन घंटे 35 मिनट का समय लगाया। फेडरर करियर में 68वीं बार ग्रैंड सलेम के राउंड 16 में पहुंचे हैं। आल टाइम रिकॉर्ड में फेडरर के बाद दूसरे नंबर पर विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच हैं जो 54 बार और स्पेन के राफेल नडाल 50 बार राउंड 16 में पहुंचे हैं। मैच रात एक बजे तक चला और रात नौ बजे के बाद कोविड-19 कर्फ्यू लगने के कारण यह मैच दर्शकों के बिना खेला गया। 39 वर्षीय फेडरर का राउंड 16 में मुकाबला नौवीं सीड इटली के मातियो बेरेटिनी से होगा जो तीसरे दौर के मुकाबले में दक्षिण कोरिया के सूनवू क्वोन को लगातार सेटों में 7-6(6), 6-3, 6-4 से हराकर पहली बार पेरिस में राउंड 16 में पहुंचे हैं।

फ्रेंच ओपन

जिदानसेक क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी बनी

पेरिस।

गैर वरीयता प्राप्त स्लोवेनिया की तमारा जिदानसेक यहां जारी फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली इस सीजन की पहली खिलाड़ी बन गई है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, 23 साल की जिदानसेक अपने करियर में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। वर्ल्ड नंबर 85 जिदानसेक ने रोमानिया की सोरोना क्रिस्टिया को 7-6 (7-4) 6-1 से हराया। जिदानसेक ने पहले सेट में एक प्वाइंट सेव करते हुए वर्ल्ड नंबर 54 क्रिस्टिया को पराजित किया। उन्होंने इस जीत के बाद कहा, मैं तैयारी करके कोर्ट पर आई थी और यह एक अच्छा मुकाबला था। क्वार्टर फाइनल में अब जिदानसेक का सामना 2019 की उपविजेता चेक गणराज्य की मार्केटा वोंद्रयूसोवा और स्पेन की पॉला बदोसा के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

संक्षिप्त समाचार

चार्ल्स लेकलेर्क ने अजरबैजान ग्रां प्री में पोल पोजिशन हासिल की

बाकू सिटी । फेरारी के चार्ल्स लेकलेर्क ने दुर्घटना से प्रभावित अजरबैजान ग्रां प्री में मौजूदा फर्मूला 1 (एफवन) सत्र में में लगातार दूसरी पोल पोजीशन (मुख्य रेस का शीर्ष स्थान से शुरू करने का अधिकार) हासिल की। लेकलेर्क ने इससे पहले तीसरे क्वालीफाइंग में एक मिनट 41.218 सेकेंड का समय लिया था। क्वालीफाइंग रेस के दौरान युकी त्सुनोडा की कार दीवार से टकरा गई। इसके बाद लेकलेर्क के टीम के साथी कार्लोस सैंज की कार भी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना के बाद क्वालीफाइंग रेस को रोक दिया गया और लेकलेर्क को पोल पोजिशन मिल गया। गत चैम्पियन हैमिल्टन उनसे .232 सेकेंड पीछे दूसरे स्थान पर रहे जबकि मौजूदा चैम्पियनशिप में शीर्ष पर काबिज मैक्स वेर्सटाप्पेन ने हैमिल्टन से .113 सेकेंड अधिक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले वेर्सटाप्पेन की कार ने तीसरे अभ्यास सत्र में धोखा दे दिया था जबकि पियरे गैसली ने इसमें सबसे तेज समय निकाला। वेर्सटाप्पेन ने रेडबुल के अपने साथी सर्जियो पेरेज से आगे निकलने की कवायद में संकरे कॉर्नर पर रफ्तार बढ़ाई जिससे बैरियर से टकराकर उनकी कार का सस्पेंशन जवाब दे गया। इस अभ्यास में अल्फा टौरी के गैसली ने एक मिनट 42.251 सेकंड में रेस पूरी की जबकि सर्जियो पेरेज उनसे .344 सेकंड पीछे रहे। गत चैम्पियन लुईस हैमिल्टन तीसरे स्थान पर रहे।

फ्रेंच ओपन : मारिया और कोको प्री क्वार्टर फाइनल में

पेरिस। 17वीं सीड मारिया सकारी ने करीब तीन घंटे तक चले एक कड़े मुकाबले में बल्जियम की एलिसे मर्टेंस को 7-5, 6-7(2), 6-2 से हराकर पहली बार फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। प्री क्वार्टर फाइनल में अब मारिया का सामना पिछले साल की उपविजेता अमेरिका की सोफिया केनिन से होगा। चौथी सीड सोफिया ने एक अन्य मुकाबले में 28वीं सीड जेसिका पेगुला को 4-6, 6-1 6-4 से हराकर लगातार तीसरी साल चौथे दौर में जगह बनाई। वहीं, 24वीं सीड अमेरिका की कोको गॉफ ने भी पहली बार टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। कोको को हमवतन और 13वीं सीड जेनिफर ब्रेडी के खिलाफ मुकाबला खेलना था, लेकिन ब्रेडी चोटिल होकर मुकाबले से बाहर हो गईं। राउंड 16 में अब कोको का सामना 25वीं सीड ट्यूनीशिया की ओंस जेबुर से होगा। ओंस ने पोलैंड की मेगडा लिनेटे को 3-6, 6-0, 6-1 से मात दी।

टिम साउदी ने दिया बयान, कहा- इंग्लैंड के खिलाफ अपनाएंगे खास रणनीति

लंदन ।

न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी ने कहा कि उनकी टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट में तीसरा दिन बारिश की भेंट चढ़ने के बावजूद जीत की उम्मीद नहीं छोड़ी है। साउदी ने 43 रन देकर छह विकेट लिए जिससे न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को पहली पारी में 275 रन पर आउट कर दिया। न्यूजीलैंड ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट पर 62 रन बनाए हैं और उसकी कुल बढ़त 165 रन हो गई है। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 378 रन बनाए थे। साउदी ने कहा कि तीसरे दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ने के कारण नुकसान हुआ लेकिन आखिरी दिन 98 ओवर का खेल होगा और ऐसे में कोई भी परिणाम संभव है। कोई नहीं जानता कि क्या होगा लेकिन हम ऐसी स्थिति में हैं जहां हम जीत की कोशिश कर सकते हैं।

आप अपने देश को जीत दिलाने के लिए टेस्ट मैच खेलते हो और लाड्र्स पर जीत विशेष होगी इसलिए हमें पांचवें दिन के लिए खास रणनीति के साथ मैदान पर उतरना होगा। साउदी ने शानदार गेंदबाजी करके दूसरी बार लाड्र्स की सम्मान पट्टिका में अपना नाम

लिखवाया। तेज गेंदबाजी के उनके साथी काइल जैमीसन ने भी तीन विकेट लिए।

जैमीसन ने इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को चौथे दिन की पहली गेंद पर ही आउट कर दिया था। दिन की पहली गेंद पर ही जो रूट का विकेट हासिल करना, हम शायद इससे बेहतर शुरुआत की उम्मीद नहीं कर सकते थे।

श्रीलंका दौरे के लिए टीम में चुने जाने की उम्मीद : कुलदीप

मुंबई। टीम इंडिया के गेंदबाज कुलदीप यादव इस बात से दुखी हैं कि उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल और इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए नहीं चुना गया लेकिन कुलदीप को आने वाले श्रीलंका दौरे के लिए टीम में चुने जाने की उम्मीद है। कुलदीप ने कहा, मैं दुखी हूं कि टीम में मेरा चयन नहीं हुआ क्योंकि मैं टीम की जीत में योगदान देना चाहता था। ऐसा होता है और आप दुखी भी होते हैं लेकिन इसी वक्त आपको अगले अवसर के लिए तैयार रहना होता है। उन्होंने इंडिया न्यूज से कहा, मैं इंग्लैंड नहीं जा पाया लेकिन मुझे श्रीलंका दौरे पर जाने की उम्मीद है। क्रिकेट होते रहना चाहिए। जिस खिलाड़ी को टीम में जगह नहीं मिलती है वो दुखी होता है। सभी लोग टीम में रहना चाहते हैं लेकिन कई बार स्थिति ऐसी हो जाती है कि आपको टीम से बाहर रहना पड़ता है। भारत को 18 जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला खेलना है। इसके बाद उसे चार अगस्त से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। कुलदीप ने कहा, पिछले तीन-चार साल में हमने जिस तरह का क्रिकेट खेला है उससे टीम में सकारात्मक माहौल बना। विदेशी दौरों पर भी हमें घर जैसा लगता है। जिस तरह टीम ने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ प्रदर्शन किया है, मुझे लगता है कि हम जीतेंगे।

ढाका प्रीमियर लीग के बायो बबल में उल्लंघन की जांच करेगा बीसीबी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने ढाका प्रीमियर लीग (डीपीएल) में अभ्यास सत्र के दौरान बायो बबल में उल्लंघन पर हैरानी जताते हुए इस मामले की जांच कराने की बात कही है। यह मामला मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब के अभ्यास सत्र के दौरान हुआ था जब कप्तान शाकिब अल हसन बल्लेबाज कर रहे थे और बाहर के किसी व्यक्ति ने शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में प्रवेश कर लिया था। इस व्यक्ति की हालांकि पहचान नहीं हो सकी है। ढाका मेट्रोपोलिस क्रिकेट समिति (सीसीडीएम) के चैयरमैन काजी इनाम अहमद ने क्रिकइंफो से कहा, हम लोग इस घटना से दुखी हैं। सीसीडीएम और बीसीबी ने इसे गंभीरता से लिया है। हमारे लिए टीम और खिलाड़ियों की सुरक्षा सर्वोपरि है।उन्होंने कहा, हम इस मामले की जांच कर रहे हैं और हमारी कोशिश है कि इस टूर्नामेंट को सुरक्षित तरीके से कराया जा सके। जरूरी कार्रवाई की जाएगी और आगे ऐसा ना हो इसके लिए एहतियात बरते जाएंगे।

डिफेंडर आदिल ने 2019 की दोहरी सफलता को याद किया

दोहा।

भारतीय पुरुष फुटबाल टीम के डिफेंडर आदिल खान ने 15 अक्टूबर 2019 में कोलकाता में बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए एशियन क्वालीफायर्स मैच को एक बार फिर से याद किया है। उस दिन जहां एक तरफ आदिल ने मैदान में अपने शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम को हार से बचाया था, तो दूसरी तरफ मैदान के बाहर उसी दिन उनके पिता के दिल की सफल सर्जरी हुई थी। ग्रुप-ई में खेले गए उस मैच में बांग्लादेश की टीम हाफ टाइम तक 1-0 की बढ़त बनाए हुई थी और मैच खत्म होने में केवल दो ही मिनट का समय बचा था और उसी समय आदिल ने कॉर्नर से गोल करते हुए भारतीय टीम को बराबरी दिलाई थी और बांग्लादेश को अंक बांटने पर मजबूर कर दिया था। भारत और बांग्लादेश की टीम एक बार फिर से एशियन क्वालीफायर्स में सोमवार को कतर में एक दूसरे से भिड़ेगी। आदिल ने मैच की पूर्वसंध्या पर कहा, वह मैच हमेशा मुझे याद रहेगा। चोटिल होने के कारण लंबे समय तक फुटबॉल से दूर रखने के बाद मैंने राष्ट्रीय टीम में वापसी की थी। मैं बहुत उत्साहित था। उन्होंने कहा, जब मैं अपने पिता से मिला था, तो मैंने उन्हें अपने गोल के बारे में बताया था। वह बचपन से ही कभी भी मेरे मैच को मिस नहीं करते थे। उस समय मुझे अहसास हुआ कि मैंने अपने प्रदर्शन से पिता को गौरवान्वित कर दिया है। और निश्चित रूप मेरे प्रदर्शन पर उन्हें गर्व था। ईमानदारी से कहूं तो, मैं थोड़ा परेशान हो गया था। मेरे पिताजी सबसे बड़े फुटबॉल प्रशंसक और मेरे प्रेरणा रहे हैं। मैं असहाय महसूस कर रहा था। जैसे ही हम स्टेडियम के पास पहुंचे, मैंने देखा कि प्रशंसकों की भीड़ स्टेडियम की ओर बढ़ रही है। डिफेंडर ने कहा, मैं उस पल को कभी नहीं भूलूंगा जिसने हमें अंदर जाने पर बधाई दी थी।

इसने मुझे सब कुछ भुला दिया। एक आदमी के लिए, ऐसे दिन होते हैं जब आप विश्वास और विश्वास के साथ महसूस करते हैं कि आप उस दिन अजेय हैं। मैं अपनी राष्ट्रीय टीम के रंगों में रंगना था चाहता था।

अश्विन लियोन से बेहतर हैं : चैपल

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने भारत के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर नाथन लियोन से बेहतर बताया है। चैपल ने कहा, मेरे ख्याल से अश्विन लियोन से बेहतर हैं। लियोन की स्ट्राइक रेट को देखें। आप 70 के दशक की बात कर रहे हैं और मैं साल 2018 की बात कर रहा हूं। 2018 से लियोन ने 27 टेस्ट मैचों में 72.5 के औसत से 113 विकेट लिए हैं। उन्होंने छह बार पांच-पांच विकेट लिए हैं। इस दौरान लियोन का भारत के खिलाफ 85.8 का स्ट्राइक रेट रहा है जो उनका किसी अन्य टीम की तुलना में सबसे ज्यादा खराब है। चैपल ने क्रिकइंफो से कहा, मेरे ख्याल से जब लियोन दाहिने हाथ के बल्लेबाज को गेंद करते हैं तो ऑनसाइड से रन निकलते हैं। हां, लियोन एक अच्छे गेंदबाज हैं लेकिन अश्विन उनसे बेहतर हैं। लियोन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 100 टेस्ट मैच खेले हैं और 399 विकेट लिए हैं जबकि अश्विन के नाम 78 टेस्ट मैचों में 409 विकेट हैं। लियोन ने भारत के खिलाफ पिछली चार मैचों की टेस्ट सीरीज में नौ विकेट लिए थे।अश्विन ने विदेशी जमीन पर अधिक सफलता हासिल नहीं की है। उन्होंने 70 फीसदी विकेट भारतीय जमीन पर लिए हैं। हालांकि, अश्विन को अक्सर चोटिल होने के कारण विदेशी दौरों से बाहर रहना पड़ा है। चैपल ने कहा, मेरे ख्याल से भारतीय गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है। इसके अलावा अश्विन की प्रतिष्ठता भी है। अश्विन हाल ही में घरेलू टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। उन्होंने 33 विकेट लिए थे और प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे।

६५ फीसदी रोगियों में कोरोना से जुड़े म्यूकोरमाइकोसिस के केस

पिछले साल सितंबर से दिसंबर के बीच में ब्लैक फंगस से मरने वालों की दर ४६% पहुंच गई : रिपोर्ट में दावा

अहमदाबाद ।

देश में ब्लैक फंगस के मामले अधिक घातक और खतरनाक साबित होते जा रहे हैं । कोरोना की दूसरी लहर के बाद अब ब्लैग फंगस या म्यूकोरमाइकोसिस के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है । पिछले साल सितंबर से दिसंबर के बीच देश के १६ सेंटर पर ब्लैक फंगस रोगियों पर एक स्टडी की गई । स्टडी में सामने आया है कि तीन महीने के इलाज के दौरान कोरोना रोगियों के मरने की दर ४६% हो गई है । इस स्टडी में गुजरात के चार सेंटर भी शामिल हैं । मल्टीसेंटर एपिडेमियोलॉजिकल स्टडी ऑफ कोरोनावायरस डिजीज-एसोसिएटेड म्यूकोर्मिकोसिस, इंडिया शीर्षक से इस स्टडी को हाल ही में प्रतिष्ठित सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) ज र्नल में पब्लिश किया गया था । स्टडी में देशभर के १६ सेंटर से म्यूकोरमाइकोसिस के २८७ रोगियों को शामिल किया गया । इनमें अहमदाबाद और सूरत से एक-एक अस्पताल के अलावा । दिल्ली और भोपाल एम्स भी शामिल थे । स्टडी प्राइवेट अस्पतालों में दिल्ली का सर गंगा राम अस्पताल, गुड़गांव में मेदांता अस्पताल और मुंबई में केडीएएच का सेंटर भी शामिल था । स्टडी में २८७ रोगियों में से, १८७ (६५%) की पहचान कोविड से ज ुड़े म्यूकोरमाइकोसिस केस के रूप में की गई थी । इन केंद्रों पर कुल कोविड-१९ रोगियों में स्टडी में २०१९ में इसी अवधि की तुलना में ब्लैक फंगस के मामलों में दो गुना वृद्धि दर्ज की गई । इनकी संख्या ११२ से बढ़कर २३१ पहुंच गई । ब्लैक फंगस से पीड़ति रोगियों की औसत उम्र ५३ वर्ष पाई गई । इनमें से ७५% रोगी पुरुष थे । कुल रोगियों में ३३% या एक-तिहाई रोगियों को डायबिटिज की शिकायत थी । इसके अलावा, २१% रोगियों ऐसे थे जि नमें कोरोना संक्रमण के बाद डायबिटिज के लक्षण सामने आए थे । इन्फेक्टियस डिजीज स्पेशलिस्ट और स्टडी के सह लेखक डॉ अतुल पटेल ने बताया कि स्टडी में ब्लैक फंगस के मरीजों में मृत्यु दर छह सप्ताह में ३८% पाई गई, जो १२ सप्ताह या तीन महीने के इलाज के बाद बढ़कर ४६% हो गई । यह बिना ब्लैग फंगस और ब्लैक फंगस वाले रोगियों में समान था । मृत्यु दर के प्रमुख कारक उम्र, राइनो-ऑर्बिटल सेरेब्रल इन्वॉल्वमेंट और लंबे समय तक आईसीयू में रहना पाया गया ।

उद्वहन सिंचाई योजना को मुख्यमंत्री ने मंजूरी दी

अरवल्ली ।

मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने आदिजाति क्षेत्र अरवल्ली जिले में वात्रक जलाशय के उपरवास में आये मेघरज, मालपुर, मोडासा को खेतीवाडी के लिए सिंचाई की सुविधा देने के लिए ११७ करोड़ रुपये की उद्वहन योजना को मंजूरी दी है । इस योजना के तहत मेघरज के १९, मालपुर के ३६ और मोडासा के ५ तालाब मिलाकर कुल ४८ गांवों के ६० तालाब वात्रक के पानी से उद्वहन सिंचाई के द्वारा भरा जाएगा । इतना ही नहीं सिंचाई से वंचित ऐसे ४६९५ एकड़ क्षेत्र को सिंचाई के पानी की १२ महीने सुविधा मिलेगी । यह योजना से मेघरज और मालपुर तहसील के आदिजाति क्षेत्र के किसान को आर्थिक रूप से सक्षम होंगे । मुख्यमंत्री ने राज्य के १४ जिलों में ५४ तहसील के आदिजाति क्षेत्रों में रहते वन बंधु को सिंचाई के पानी तथा पीने के पानी की उपलब्धि के लिए चार वर्ष में ६६४२ करोड़ रुपये के खर्च से छोटी-बड़ी १६४४ योजनाओं के द्वारा कुल ५,४३,०६७ एकड़ जमीन में सिंचाई की सुविधा देने के लिए आदिजाति कल्याण का उद्देश्य रखा है । राज्य के १४ जिले साबरकांठा, बनासकांठा, अरवल्ली, दाहोद, पंचमहाल, छोटाउदेपुर, महीसागर, सूरत, भरूच, नर्मदा, डांग, तापी, नवसारी और वलसाड जिले के ५४ तहसीलों में आदिजाति क्षेत्र अधिकतर ऊंचाई वाले लेवल पर या पर्वत क्षेत्र में रहते है । मुख्यमंत्री ने इस क्षेत्रों में सिंचाई के पानी के लिए समस्या बारबार उपस्थित होने से इसके निराकरण के लिए दृष्टिकोण अपनाकर वर्ष २०१६ से २०२० के चार वर्ष के दौरान छोटी सिंचाई योज ना हाई लेवल नहर, छोटे-बड़े चेकडेम, लिफ्ट इरीगेशन स्कीम तथा उद्वहन सिंचाई योज ना के काम बड़े पैमाने पर शुरू करने के लिए संबंधित विभागों को प्रेरित किया गया है ।

मामूली बात में हाथापाई, भीड़ ने हथियारों से तोड़फोड़ की

जूनागढ़ ।

जूनागढ़ के ढाल रोड पर स्थित एक दुकान में गत दिन बड़ी संख्या में पहुंचे भीड़ ने आतंक मचाया था । मामूली बात में हुई तकरार में हाथापाई हुई थी । घटना का सीसीटीवी विडियो सोशल मीडिया में वायरल होने पर हाथापाई के दृश्य सामने आये थे । यह मामले में ३० से ज्यादा शख्सों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज हुई है । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, जूनागढ़ के ढाल रोड पर स्थित जनता एग्स दुकान पर कई शख्सों ने हथियारों के साथ हमला किया था । इस हमले में ३ लोगों को चोटें आई थी जबकि दुकान में तथा आसपास के वाहनों में नुकसान हुआ था । घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस का काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया । हालांकि, घटना का सीसीटीवी सामने आने पर इसमें दो भीड़ आमने-सामने झगड़ा करते हुए देखने को मिले । प्राप्त जानकारी के इस बारे में जनता एग्स में पहले काम करता रियाज बेलीम नाम का शख्स वहां काम करते लोगों को दुकान की नौकरी से हटने के लिए दबाव देता था ।

यह शख्स को ऐसा नहीं करने के लिए शिकायतकर्ता के बेटा साहिल ने बताया । हालांकि इस मामले में शिकायतकर्ता के बटे की बात से नाराज हुए रियाज ने वादविवाद किया था । आरोपी रियाज गैरकानूनी सदस्य बनाकर और शिकायतकर्ता की दुकान में हथियारों के साथ घुस गये । रियाज ने दुकान में तोड़फोड़ करके और भय का माहौल बनाया गया था । इस हमले में ३ लोगों को चोटें आईं थी । यह मामले में जूनागढ़ पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत लेकर अपराध को दर्ज किया है । पुलिस ने इस मारपीट की घटना में ३० शख्सों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है तब उल्लेखनीय है कि संतों की भूमि जूनागढ़ में असामाजिक तत्व बेखौफ बन गये है । कुछ दिन पहले ही यहां पूर्व मेयर लाखाभाई परमार के बेटे की निर्मम हत्या की गई थी तब इस घटना में खुलेआम हाथापाई होने पर जनता में डर का माहौल है ।

स्वामीनारायण अस्पताल में और एक ऑक्सीजन प्लांट शुरू

कोरोना काल में वडताल के मंदिर द्वारा ऑक्सीजन प्लांट देकर यह सेवा परंपरा को और मजबूत बनाया : रुपाणी

गांधीनगर ।

मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने राकेश प्रसाद महाराज की प्रेरणा से वडताल स्वामीनारायण द्वारा कोरेना काल में हो रहे समाजसेवा सहित हेल्थ सेवा के कार्यों के तहत ऑक्सीजन प्लांट का लोकार्पण किया । मुख्यमंत्री ने गांधीनगर से विडियो कॉन्फरन्स द्वारा यह लोकार्पण करते हुए कहा कि, लीक्वीड ऑक्सीजन की सीमा के सामने अब हवा से सीधा ऑक्सीजन लेने के प्लांट को राज्य में स्थापित करके ३०० टन पीएसए ऑक्सीजन लेकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं । विजय रुपाणी ने बताया कि, राज्य सरकार द्वारा ऑक्सीजन उत्पादन के कार्य में वडताल सहित अन्य धार्मिक-सामाजिक सेवाभावी संस्थाएं, अमूल, बनास डेयरी के अलावा एनआरआई भी समय की मांग को देखकर शामिल हुए है यह अभिनंदन पात्र है । मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि, कोरेाना काल में वडताल के मंदिर द्वारा ऑक्सीज न प्लांट देकर यह सेवा परंपरा को और मजबूत बनाया है । उन्होंने आगे बताया कि, गुजरात ने कोरेाना की प्रथम लहर में सफलतापूर्वक संक्रमण नियंत्रण किया दूसरी लहर को भी इसी आक्रामकता से नियंत्रण में लाया है । अब विशेषज्ञ जबकि तीसरी लहर की संभावना बताते है तब इसके लिए भी गुजरात पूरी तरह से तैयार है । मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने स्वामीनारायण मल्टी स्पेश्यालिटी-वडताल में ऑक्सीजन प्लांट का गांधीनगर से ई-लोकार्पण किया । यह ई-लोकार्पण के मौके पर वडताल में परम पूज्य १००८ आचार्य राकेश प्रसादजी महाराज, सांसद देवुसिंह चौहाण, विधायक और विधानसभा के मुख्य दंडक पंकजभाई देसाई, जिला भाज पा प्रमुख-विधायक अर्जुन सिंह चौहाण, खेडा के पूर्व सहित पूज्य संत उपस्थित हुए । मुख्यमंत्री ने इस अस्पताल में और एक ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने की अपील की थी ।

वलसाड में हाईप्रोफाइल शराब की पार्टी पर पुलिस की छापेमारी

युवक की बर्थडे पार्टी में शराब की मेहफिल का मजा ले रहे १० युवकों और चार युवतियां रंगेहाथ गिरफ्तार हुई

वलसाड ।

वलसाड शहर में कोरोना के डर के माहौल में भी शराब की मेहफिल का मजा ले रहे युवकों को वलसाड सिटी पुलिस ने गिरफ्तार किया है । आधी रात को वलसाड सिटी पुलिस ने वलसाड के तिथल रोड पर स्थित एक अपार्टमेंट में छापेमारी की गई थी । इस दौरान एक युवक की बर्थडे पार्टी में शराब की मेहफिल का मजा ले रहे १० युवकों और चार युवतियां रंगेहाथ गिरफ्तार हुई थी । इस तरह आधी रात को पुलिस ने छापेमारी की वजह से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई थी । इस मामले में बात करे तो वलसाड के तिथल रोड पर स्थित सूकृती अपार्टमेंट में शराब की मेहफिल चल रही होने की वलसाड जिला पुलिस कंट्रोल रुम को जानकारी मिली थी । मेहफिल की जानकारी मिलने पर वलसाड सिटी पुलिस की टीम आधी रात को पूरी तैयारी के साथ-साथ सुकृति अपार्टमेंट की पहली मंजिल पर स्थित एक फ्लैट में पहुंची थी । फ्लैट का दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश करने पर पुलिस भी चौंक गई थी । क्योंकि, फ्लैट बंद करके और अंदर बड़ी संख्या में युवक और युवतियां विदेशी शराब की मेहफिल का मजा ले रहे थे । पुलिस ने शराब की मेहफिल का मजा ले रहे १० युवकों और चार युवतियों को गिरफ्तार किया गया है । इस कार्रवाई में पुलिस ने विदेशी शराब की बोतलों और मोबाइल फोन और अन्य वाहनों को मिलाकर तीन लाख से ज्यादा की रकम का मालसामान जब्त करके दस युवकों और चार युवतियों को गिरफ्तार किया गया है । पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि, उत्कर्ष शिवकुमार गहेलोत नाम का एक युवक का बर्थडे था । उसने अपने ससुर के फ्लैट पर यह पार्टी रखी थी । जहां उनकी पत्नी और कई दोस्त मौजूद थे । देर रात तक युवकों ने फ्लैट में शराब की मेहफिल का मजा लिया था ।

एकता ट्रस्ट के अब्दुल भाई मलवारी समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत है : जहीर खान पठान

सूरत भूमि, सूरत। एकता ट्रस्ट के अब्दुल भाई मलवारी और उनकी टीम का सम्मान एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा किया गया। एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख जहीर खान पठान ने कहा कि समाज के हर वर्ग के युवाओं में एकता ट्रस्ट के अब्दुल भाई मारवाड़ी जैसी विचारधारा होनी चाहिए जिन्होंने समाज के प्रति सेवा का एक भी मौका नहीं छोड़ा है। एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख जहीर खान पठान और उनकी टीम द्वारा उपस्थित मेहमानों का स्वागत किया गया मुख्य मेहमान के तौर पर उपस्थित लाल खान पठान और निसार भाई लाइट वाला एवं क्यू एंड टीवी बाबा भाई रोशनी उपस्थित थे।

सूरत। भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कोंग्रेस (INTUC) का पलसाना तालुका एकम का कार्यालय बगुमारा स्थित सिल्वर प्लाजा में शुभारंभ हुआ। पलसाना औद्योगिक एकम के कामदारो की समस्या के निवारण हेतु इस कार्यालय का शुभारंभ भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कोंग्रेस के गुजरात एकम के अध्यक्ष श्री संजय पटवा और प्रदेश उपाध्यक्ष श्री भाईलाल वैष्णव, पलसाना तालुका एकम के अध्यक्ष सीताराम बैसाने, हसमुख पटेल और मुकेश मराठे और कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

घर में एक पंखा और टयुबलाइट तो भी बिल ६.३२ लाख रुपया आया

श्रमिक परिवार में चिंता फैल गई है अब क्या करेंगे फिलहाल यह मुद्दा पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है

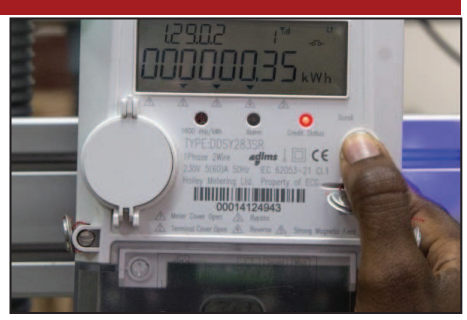

अरवल्ली ।

मोडासा में बिजली विभाग का बड़ी गलती सामने आई है । मोडासा के एक श्रमिक सिराजभाई शेख के घर में एक पंखा और एक टयुबलाइट है फिर भी उनके घर का वीड बिल ६.३२ लाख रुपया आया है । मोडासा में एलायन्ल नगर में रहते परिवार ने जब यह बिल देखा तो उनके पैर के नीचे से जमीन खिसक गई थी । बिज ली विभाग की लापरवाही की वजह से यह श्रमिक परिवार में चिंता फैल गई है कि अब क्या करेंगे हाल यह मुद्दा पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार मोडासा के एलायन्स नगर में रहते श्रमिक सिराज शेख के वहां अभी तक ३०० से ४०० रुपये का बिजली बिल आता था । लेकिन इस महीने में अचानक ६.३२ लाख रुपया बिजली बिल अपने नाम पर आया हुआ देखकर आश्चर्यचकित हो गये । उनके घर में एक पंखा और टयुबलाइट है फिर भी इतना ज्यादा बिल आने पर वह चिंतित हो गये । यह परिवार एक रुम में रहते है । इस मामले में सिराजभाई शेख के बताये अनुसार, अभी तक मेरा लाइट बिल इतना ज्यादा नहीं आया है । हमारे ३००-४०० लाइट बिल आता था लेकिन अभी ६ लाख और ३२ हजार रुपया लाइट बिल आया है । मैं कोई मिलमालिक नहीं हूं । मेरे घर में पंखा और लाइट के अलावा कुछ नहीं चलता है । इतना बिल आया कहां से? कुछ महीने पहले अंकलेश्वर की हस्ती तालाब क्षेत्र में भी ऐसी ही एक भूल सामने आई है । मातृ हर सलून नाम के नाई की दुकान का बिल ५.७० लाख आया था । जि सकी वजह से दुकान धारक गणेश नाई को हार्टअटैक आये ऐसी परिस्थिति पैदा हुई है । एक व्यक्ति की दाढी करके ३० से ५० रुपया लेता सलून संचालक को महीने में औसत १० से १२ हजार रुपये का आता है । इस बीच बिजली निगम ने बिजली बिल देने पर वह देखकर आश्चर्यचकित हो गये एक दो रुपया बिल नहीं लेकिन पुरा ५.७० लाख के अलावा का बिजली बिल आया था ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)